Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रुड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा, राजस्थान, पंजाब, बहराइच, रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्षः 07 अंकः 215 | गुरुवार, 13 अगस्त-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

जाँच समिति ने खोल कर रख दिये सारे राजः नकदी कांड में पूर्व जज यशवंत वर्मा पर तीनों आरोप साबित हुए

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट के पूर्व न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के सरकारी आवास से बड़ी मात्रा में बिना हिसाब की नकदी मिलने के मामले में संसद की तीन सदस्यीय जांच समिति ने उनके खिलाफ लगाए गए तीनों आरोपों को साबित माना है। बुधवार को संसद के दोनों सदनों में पेश 126 पन्नों की रिपोर्ट में समिति ने न्यायमूर्ति वर्मा की सफाई को 'टालमटोल भरी', 'भ्रामक' और कुछ हिस्सों में 'झूठी' करार दिया। हालांकि समिति ने यह निष्कर्ष नहीं दिया कि बरामद नकदी व्यक्तिगत रूप से न्यायमूर्ति वर्मा की थी, क्योंकि इसके लिए पर्याप्त प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं मिले।

हम आपको याद दिला दें कि विवाद की शुरूआत 14 मार्च 2025 को दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास के परिसर में आग लगने के बाद हुई थी। आग बुझाने के दौरान आउटहाउस के एक कमरे में बड़ी मात्रा में बिना हिसाब की नकदी मिली, जिसमें कुछ नोट जले हुए भी थे। घटना के बाद न्यायिक भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता के आरोपों को लेकर व्यापक विवाद खड़ा हो गया। न्यायमूर्ति वर्मा ने नकदी की जानकारी होने से इंकार किया और अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज किया।

मामले में भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा कराई गई आंतरिक जांच में भी न्यायमूर्ति वर्मा की सफाई को असंतोषजनक माना गया था। इसके बाद उन्हें इस्तीफा देने या न्यायिक पद से हटाने की संवैधानिक प्रक्रिया का सामना करने को कहा गया। उन्होंने इस्तीफा देने से इंकार किया और रिपोर्ट राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री को भेजी गई। विभिन्न दलों के सांसदों के समर्थन से लोकसभा में उनके खिलाफ प्रस्ताव स्वीकार किए जाने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के तहत तीन सदस्यीय वैधानिक समिति गठित की। भौगोलिकसंदर्भ

समिति की अध्यक्षता सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अरविंद कुमार ने की। इसमें तत्कालीन बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश श्रीकृष्ण चंद्रशेखर, जिन्हें बाद में सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत किया गया, और वरिष्ठ अधिवक्ता बीवी आचार्य भी शामिल थे। जांच समिति ने पाया कि जिस स्टोररूम में नकदी मिली, उसे न्यायमूर्ति वर्मा के नियंत्रण से बाहर बताना स्वीकार्य नहीं है। कमरे में उनके निजी सामान से जुड़ी एक बंद अलमारी होने समेत अन्य परिस्थितियों को देखते हुए समिति ने परिसर और न्यायमूर्ति के बीच पर्याप्त संबंध माना। इस आधार पर पहला आरोप साबित हुआ।

दूसरे आरोप के संबंध में समिति ने जली हुई नकदी और उससे जुड़े भौतिक साक्ष्यों को सुरक्षित नहीं रखे जाने पर गंभीर आपत्ति जताई। समिति को इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला कि न्यायमूर्ति वर्मा ने स्वयं नकदी हटाई थी, लेकिन उसने माना कि उनके संस्थागत नियंत्रण वाले परिसर से मिले महत्वपूर्ण साक्ष्यों को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी से वह मुक्त नहीं हो सकते। घर और प्रतिष्ठान से जुड़े लोगों की भूमिका की भी जांच की गई और दूसरा आरोप भी साबित माना गया।

तीसरे आरोप पर समिति ने न्यायमूर्ति वर्मा के बदलते बचाव को निर्णायक रूप से खारिज किया। शुरूआत में नकदी की जानकारी से इंकार करने के बाद उन्होंने साजिश, नकदी रखे जाने और साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया में खामियों के आरोप लगाए। समिति के अनुसार ये दलीलें नकदी की मौजूदगी और उपलब्ध साक्ष्यों को संतोषजनक ढंग से स्पष्ट नहीं कर सकीं। न्यायमूर्ति वर्मा का गवाही के लिए स्वयं कटघरे में न आना और जिरह का सामना न करना भी समिति के लिए प्रतिकूल रहा। हम आपको याद दिला दें कि न्यायमूर्ति वर्मा ने 9 अप्रैल 2026 को संसदीय जांच जारी रहने के दौरान न्यायिक पद से इस्तीफा दे दिया था। वहीं अब रिपोर्ट संसद में पेश होने के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि उनके इस्तीफे के बावजूद इस मामले में आगे की संवैधानिक या संसदीय कार्रवाई संभव है या नहीं। कुछ कानूनी विशेषज्ञों का मत है कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम की प्रक्रिया मुख्यतः कार्यरत न्यायाधीश के खिलाफ लागू होती है।

FCRA Bill जेपीसी को भेजा गया, विपक्ष के हंगामे के बीच कई बिल पारित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्ष के भारी हंगामे के बीच, लोकसभा ने बुधवार को 'विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026' को संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का प्रस्ताव ध्वनि मत से पारित कर दिया। इसके तुरंत बाद सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। इस बीच, राज्यसभा ने 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (संशोधन) विधेयक, 2026' पारित किया और 'केरल (नाम परिवर्तन) विधेयक, 2026' पर विचार और उसे पारित करने की प्रक्रिया शुरू की। विपक्ष ने लगातार विरोध-प्रदर्शन जारी रखा, जबकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह और सरकार NEET से जुड़े छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर लोकसभा में तुरंत चर्चा शुरू करने के लिए तैयार है, बशर्ते विपक्षी सांसद मयार्दा बनाए रखें और सहयोग करें।

भारतीय जनता पार्टी की सांसद सुष्मिता देव ने बुधवार को कहा कि उन्होंने किसी राज्य की वेशभूषा पर कोई टिप्पणी नहीं की और राज्यसभा से ऐसा कोई संदेश नहीं जाना चाहिए जिससे भारत को सांस्कृतिक या धार्मिक आधार पर बांटने की भावना पैदा हो। यह स्पष्टीकरण उन्होंने माकपा सांसद जॉन ब्रिटास के उस आरोप के सिलसिले में दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि सोमवार को सदन की कार्यवाही के दौरान भाजपा सदस्य ने उन्हें बार-बार ''लुंगीवाला'' कहा था।

लोकसभा ने बुधवार को खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 विपक्ष के हंगामे के बीच पारित कर दिया, जिसके तहत राज्यों को खनिज अधिकारों पर अतिरिक्त कर लगाने से रोका जाएगा।

खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के जरिए केंद्र सरकार ने खनिज वाले क्षेत्रों में खनिज संपदा की मात्रा से संबंधित निर्धारित मानकों के अनुसार खनिज-युक्त भूमि के विनियमन को भी अपने नियंत्रण में लेने का प्रावधान किया है।

केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने विपक्षी सदस्यों के विरोध के बीच विधेयक को सदन में चर्चा एवं पारित करने के लिए पेश किया।

एनालॉग पनीर पर प्रतिबंधः मुख्यमंत्री मोहन यादव का फैसला

अब राज्य में सिर्फ प्राकृतिक दूध उत्पादों को मिलेगा बढ़ावा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को राज्य में एनालॉग पनीर पर पूरी तरह से रोक लगाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य इसके बजाय प्राकृतिक दूध से बने उत्पादों को बढ़ावा देगा और डेयरी उत्पादन बढ़ाएगा। छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और गुजरात के बाद, मध्य प्रदेश एनालॉग पनीर पर पूरी तरह से रोक लगाने वाला चौथा राज्य बन गया है। मुख्यमंत्री ने पत्रकारों को बताया कि देश के अन्य राज्यों द्वारा एनालॉग पनीर पर रोक लगाने के बाद मध्य प्रदेश ने भी इस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्राकृतिक दूध के उत्पाद उपलब्ध हैं और यहाँ प्राकृतिक पनीर बनाया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि मध्य प्रदेश दूध उत्पादन बढ़ाने की योजनाओं पर काम कर रहा है और एनालॉग पनीर की बिक्री को बढ़ावा नहीं देगा।

एनालॉग पनीर क्या है और यह आम पनीर से कैसे अलग है?

ध्यान दें कि एनालॉग पनीर देखने में तो आम पनीर जैसा ही लगता है, लेकिन यह पूरी तरह से दूध से नहीं बनता। इसमें दूध के कुछ या सभी हिस्सों की जगह वेजिटेबल फैट, प्रोटीन और दूसरी चीजों का इस्तेमाल किया जा सकता है, जिससे इसे बनाने का खर्च काफी कम हो जाता है। इस बीच, पब्लिक हेल्थ और मेडिकल एजुकेशन मिनिस्टर नरेंद्र शिवाजी पटेल ने कहा कि यह फैसला मुख्यमंत्री के निर्देशों पर लिया गया है।

छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर हर सवाल का संसद में दूंगा जवाब..., गृह मंत्री अमित शाह ने स्पीकर को लिखा पत्र

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को एक पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि आप जानते हैं कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 'बिजनेस एडवाइजरी कमिटी' की बैठक में सरकार की ओर से ठएएळ परीक्षा को लेकर छात्रों के विरोध-प्रदर्शन पर संसद में चर्चा कराने पर सहमति जताई है। मैं यह भी बताना चाहूंगा कि विपक्ष की मांग से पहले ही, संसद के मौजूदा सत्र के दौरान 'पब्लिक एग्जामिनेशन्स (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) अमेंडमेंट बिल, 2026' पर चर्चा हुई थी; फिर भी, उस समय सदन में विपक्ष के किसी भी सदस्य ने ठएएळ परीक्षा के बारे में कोई राय नहीं रखी थी। इसके बावजूद, सरकार इस मुद्दे पर फिर से चर्चा करने के लिए तैयार है।

शाह ने आगे कहा कि मेरा आपसे अनुरोध है कि आप विपक्ष से बातचीत करें और आपसी सहमति के आधार पर, आज से ही चर्चा के लिए उतना समय–चाहे दिनों में हो या घंटों में–तय करें जितना आप उचित समझें। मैं इस मुद्दे पर चर्चा में भाग लेने के लिए तय समय पर सदन में मौजूद रहूंगा और विपक्ष द्वारा उठाए गए सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हूं। इससे पहले शाह ने बुधवार को विपक्ष को संसद में चर्चा के लिए 24 घंटे का समय दिया। उन्होंने कहा कि वे उनके सभी सवालों का जवाब देने के लिए तैयार हैं और बुधवार दोपहर 3 बजे से गुरुवार दोपहर 3 बजे तक सदन में मौजूद रहेंगे। शाह ने कहा कि सबसे पहले, 'लापता', 'भाग गए' जैसी बातें भारत के सार्वजनिक और संसदीय जीवन में आजकल ज्यादा सुनने को मिल रही हैं। जब से सत्र शुरू हुआ है, मैं नियमित रूप से संसद आ रहा हूँ; मैं अपने चैंबर में बैठता हूँ, लेकिन चूँकि विपक्ष संसद को–दोनों सदनों में से किसी में भी–काम नहीं करने दे रहा है, तो कोई क्या करे? इतिहास अमित शाह ने आगे कहा कि जहाँ तक चर्चा की बात है, हमारे संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने साफ कर दिया है कि सरकार NEET विरोध-प्रदर्शनों पर पूरी चर्चा के लिए तैयार है। हमने कहा था कि समय तय किया जाए और विपक्ष तैयार रहे।

उनकी शुरूआती माँग यही थी, और हमने उसे मान लिया। मैंने भी कहा है कि मैं संसद में किसी भी सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हूँ, फिर भी वे बस चर्चा नहीं होने देना चाहते। अब जनता को तय करने दें कि कौन भाग रहा है। उन्हें आज दोपहर 3:00 बजे तक स्पीकर को एक पत्र सौंपने दें। हम आज दोपहर 3:00 बजे से कल दोपहर 3:00 बजे तक सभी पहलुओं पर चर्चा के लिए तैयार हैं। मैं सदन में बैठूँगा; मैं सबकी बात सुनूँगा और हर बात का जवाब दूँगा। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। मैं इस बात पर भी चर्चा करूँगा कि वे चर्चा क्यों नहीं होने देना चाहते थे। मोदी जी के नेतृत्व में ठऊअ सरकार किसी भी चीज पर चर्चा करने के लिए तैयार है; उन्हें बस संसद को काम करने देना चाहिए।

स्पाइसजेट केबिन में सांस लेना हुआ दूभर, दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्रियों का फूटा गुस्सा, लगाए 'बंद करो' के नारे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली से पुणे जाने वाली स्पाइसजेट की एक फ़्लाइट को टेक-ऑफ से पहले ही रोक दिया गया, क्योंकि यात्रियों ने केबिन के अंदर असहनीय गर्मी की शिकायत की थी। फ़्लाइट में बच्चे और बुजुर्ग यात्री भी सवार थे और गर्मी इतनी ज्यादा बढ़ गई थी कि कुछ लोगों को सांस लेने में भी तकलीफ होने लगी, जिसके बाद टरमैक पर विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गया। इस घटना के वीडियो एक एक्स यूजर ने शेयर किए। यूजर का दावा था कि दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यात्रियों के सवार होने के तुरंत बाद ही फ़्लाइट के केबिन का तापमान तेजी से बढ़ने लगा था। पोस्ट में बताया गया है कि गर्मी कितनी असहनीय हो गई थी; यात्रियों को बहुत पसीना आ रहा था और कुछ लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी। एक वीडियो में कई लोग इन-फ़्लाइट मैगजीन से जोर-जोर से हवा करते हुए दिखे। हालांकि, विमान को रनवे पर ले जाया गया। तभी यात्रियों ने विमान को उड़ान भरने से रोक दिया। एक्स यूजर ने दावा किया कि यात्रियों ने विमान के अंदर की स्थिति पर आपत्ति जताई, जिसके कारण चालक दल के साथ झड़प हुई। जल्द ही मामला और बिगड़ गया क्योंकि फ्लाइट कैप्टन और चालक दल ने पलटवार किया और पुलिस को बुलाने की धमकी दी। निराश होकर यात्रियों ने हवाई अड्डे के रनवे पर धरना प्रदर्शन किया। उन्होंने नारे लगाए, 'स्पाइसजेट बंद करो, हमारी जान से खेलना बंद करो। एक अन्य वीडियो में, एक महिला व्हीलचेयर पर बैठी हुई सांस लेने में तकलीफ का सामना करती हुई दिखाई दी।

बिहार में फिर दौड़ेगी चीनी मिल की चाशनी, 'सुधा' की तर्ज पर तरकारी बूथ भी खुलेंगे

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पटना। सरकार के सात निश्चय-3 के तहत 'समृद्ध उद्योग-सशक्त बिहार' की परिकल्पना अंतर्गत राज्य में बंद चीनी मिलों को पुनः परिचालित करने के संकल्प को पूरा करने के लिए राज्य सरकार बड़े कदम उठा रही है। इसके तहत मधुबनी के सकरी में पूर्व से बंद पड़े चीनी मिल की भूमि पर नये सहकारी चीनी मिल तथा दरभंगा के रैयाम में आदर्श शुगर कॉम्प्लेक्स का निर्माण कराया जाना है। इन्हें इंडिया पोटाश लिमिटेड के माध्यम से स्थापित एवं संचालित किया जाएगा। चीनी मिल के साथ वहां पर पावर जनरेशन प्लांट, डिस्टलरी और कंप्रेस्ड बायोगैस संयंत्र की भी स्थापना की जाएगी। ये बातें सहकारिता मंत्री श्री रामकृपाल यादव ने बुधवार को सूचना भवन के संवाद कक्ष में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहीं। उन्होंने कहा कि गन्ना उत्पादक किसानों को शामिल करके सहकारी चीनी मिल समिति का गठन किया जा रहा है। एक पारदर्शी व्यवस्था के तहत पोर्टल तैयार करके किसानों को आमंत्रित किया गया है। अभी तक इसके लिए 10,000 से 15,000 किसानों ने आवेदन किए हैं। सहकारिता विभाग की कोशिश ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है, इसके लिए तेजी से काम किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में सहकारिता आंदोलन को सुदृढ़, आधुनिक और नवाचार आधारित बनाने के लिए बिहार राज्य सहकारिता नीति, 2026 लागू की गई है। इसके जरिए विकसित बिहार के निर्माण में सहकारिता की प्रभावी एवं व्यापक भूमिका सुनिश्चित की जा रही है। इस नीति से राज्य में सहकारिता के क्षेत्र में क्रांति आएगी और इसका तेजी से विकास होगा। नई सहकारिता नीति से रोजगार के बेहतर अवसर विकसित होंगे। पारंपरिक सहकारी संस्थाओं को आधुनिक तकनीक, डिजिटल नवाचार, पारदर्शी प्रशासन और कुशल प्रबंधन प्रणाली से सशक्त किया जा रहा है। इस नीति के बाद अब गैर-पारंपरिक क्षेत्रों में भी नई सहकारी समितियों के गठन एवं विस्तार को प्रोत्साहित किया जाएगा।

रबी से फसल बीमा का मिलेगा लाभ

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को वित्तीय वर्ष 2026-27 के रबी मौसम से राज्य में लागू करने की स्वीकृति दी गई है। इसके तहत किसानों को उनकी कृषि लागत के समतुल्य क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान सुनिश्चित होगा। किसानों को बहुत कम प्रीमियम राशि देनी होगी और प्रीमियम में राज्य एवं केंद्र सरकार भी अपना अंश देंगी। खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में 36.85 लाख मीट्रिक टन के लक्ष्य के विरुद्ध 6902 समितियों के माध्यम से 5.40 लाख किसानों से 36.79 लाख मीट्रिक टन धान की अधिप्राप्ति की गई। अधिप्राप्त धान के विरुद्ध राज्य खाद्य निगम को 24.57 लाख मीट्रिक टन यानी 98.47 प्रतिशत चावल की आपूर्ति की जा चुकी है। राज्य की सहकारी समितियों में 7,452 गोदामों का निर्माण पूरा हो चुका है। इससे 18.827 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता का सृजन हुआ है।

सुधा की तर्ज पर खुलेंगे तरकारी बूथ

प्रेस वार्ता में सहकारिता मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि सहकारिता नीति के माध्यम से युवाओं, महिलाओं, किसानों, उद्यमियों और वंचित समुदायों को सहकारिता आंदोलन से जोड़कर आत्मनिर्भरता, उद्यमिता और सामूहिक समृद्धि को बढ़ावा दिया जाएगा। विभाग सब्जी के कलेक्शन सेंटर में बेहतर आधारभूत संरचना विकसित करेगा। 350 पंचायतों में सब्जी संग्रहण केंद्र और 50 प्रखंडों में आधारभूत संरचनाओं के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। हर थाली में बिहार की तरकारी हो, इसके लिए भी हम लगातार काम कर रहे हैं। इसके लिए बड़े पैमाने पर किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। जल्द ही सुधा डेयरी के बूथ की तरह तरकारी बूथ 'वेजफेड' के माध्यम से जगह-जगह खोले जाएंगे। इससे रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। इससे स्थानीय स्तर पर सब्जी उत्पादन करने वाले किसानों को बड़ा लाभ मिलेगा।

'जब सत्ता के शीर्ष पर बैठा हुआ आदमी ही अपराधी प्रवृत्ति का है तो', प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी को घेरा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पटना। बांकीपुर विधायक और जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर निशाना साधा है। उन्होंने राज्य में हो रहे अपराध को लेकर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री को घेरा और कहा कि बिहार में तब तक अपराध मुक्त समाज की बात करना बेईमानी है जब तक सम्राट चौधरी जैसे लोग मुख्यमंत्री रहेंगे। प्रशांत किशोर से पूछा गया, 'लगातार बिहार में आपराधिक घटनाएं हो रही हैं इसे आप कैसे देखते हैं। इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा, हमने पहले भी कहा कि बिहार में जब तक सम्राट चौधरी जैसे लोग मुख्यमंत्री रहेंगे तब तक अपराध और अपराध मुक्त समाज की चर्चा और बात करना बेईमानी है। जब सत्ता के शीर्ष पर बैठा हुआ व्यक्ति ही अपराधी प्रवृत्ति का है तो बिहार में अपराध कैसे रुकेगा।'

बिहार की जनता को सोचने और समझने की बात है- पीके

आगे पीके कहा, 'आप चाहे जितनी तरह की बात कर लें बिहार में अपराध रुकने वाला नहीं है, लेकिन ये लोगों को तय करना है। बांकीपुर की जनता ने दिखाया है और बिहार की जनता को सोचने-समझने की बात है कि आप गलत लोगों को चुनेंगे, गलत लोगों को कुर्सी पर बिठाएंगे तो गलत ही होगा। एक अन्य प्रश्न पर प्रशांत किशोर ने कहा, 'क्या 10,000 लोगों को नौकरी नहीं मिलना चाहिए, जब हम नौकरी दे देंगे तो देखिएगा। नहीं देंगे तो आप सवाल पूछिएगा कि आप कहे थे लेकिन आपने नहीं दिया। 10 हजार लोगों को, 10 हजार परिवार से एक व्यक्ति को बांकीपुर क्षेत्र से प्राइवेट सेक्टर में नौकरी मिलनी ही मिलनी है। आपको और विपक्ष को चिंता करने की जरूरत नहीं है, वो अपने क्षेत्र की चिंता करें कि जब बांकीपुर के लोगों को नौकरी मिल जाएगी तो उनके लोग उनसे सवाल करेंगे तो वह क्या जवाब देंगे। बांकीपुर की चिंता वह हम पर छोड़ दें। जब तक मेरा कार्यकाल है मैं अपने वादे को पूरा करुंगा। हमने कहा है कि हम वोट मांगने नहीं आएंगे लेकिन यहां के लोगों को नौकरी जरूर मिलेगी।'

शराबबंदी से बिहार के लोगों का नुकसान

बिहार में शराब बंदी कानून को लेकर प्रशांत किशोर ने कहा कि हम शुरूआत से कह रहे कि यह शराबबंदी कानून हटना चाहिए। यह सिर्फ वोट और शराब माफिया और भ्रष्ट तंत्र को फायदा पहुंचाने के लिए रखे हुए हैं। इससे न राज्य का फायदा है और न राज्य के लोगों का फायदा है। यह पूरी तरह शराब माफिया और भ्रष्ट अफसरों का बनाया हुआ तंत्र है। इससे बिहार के लोगों का नुकसान हो रहा है।

बांकीपुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव जीतकर सुर्खियों में बने हुए जन सुराज पार्टी के लीडर प्रशांत किशोर विधायक बनने के बाद युवाओं को रोजगार दिलाने पर अपना फोकस बनाए हुए हैं।

संपादक की कलम से

अंगदान की संस्कृति ही मानवता को नई दिशा दे सकती है

ललित शर्मा
संपादक

मनुष्य जीवनभर अपने लिए बहुत कुछ अर्जित करता है–धन, संपत्ति, प्रतिष्ठा, संबंध और सुविधाएँ। लेकिन जीवन की अंतिम घड़ी में इन सबका महत्व समाप्त हो जाता है। तब यदि हमारे शरीर का कोई अंग किसी दूसरे मनुष्य की धड़कन बन जाए, हमारी आँखें किसी अंधेरे जीवन में रोशनी भर दें, हमारा यकृत या गुर्दा किसी परिवार के बुझते चिराग को फिर से जला दे, तो इससे बड़ी जीवन-सार्थकता और क्या हो सकती है? अंगदान मृत्यु के बाद भी जीवन को जारी रखने की वह मानवीय संभावना है, जो मनुष्य को केवल अपने लिए जीने वाले प्राणी से उठाकर मानवता के लिए जीने वाला बना देती है। विश्व अंगदान दिवस हमें इसी महान विचार से जोड़ता है। आज आवश्यकता केवल अंगदान के बारे में जानकारी देने की नहीं, बल्कि हमारी सोच बदलने की है। हमें यह प्रश्न अपने आप से पूछना होगा कि जिस शरीर को मृत्यु के बाद पंचतत्व में विलीन होना है, उसके उपयोगी अंग यदि किसी दूसरे व्यक्ति को जीवन दे सकते हैं तो उन्हें अपने साथ मिट्टी में मिला देना अधिक सार्थक है या किसी की सांसों का हिस्सा बना देना? मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु के बाद भी किसी के जीवन का कारण बनना हमारे हाथ में है। भारत की सांस्कृतिक स्मृति में शरीर और जीवन के महान त्याग की परंपरा बहुत पुरानी है। महर्षि दधीचि की कथा इसका सबसे प्रभावशाली उदाहरण है। पौराणिक परंपरा के अनुसार जब देवताओं को असुरों से संघर्ष के लिए ऐसे अस्त्र की आवश्यकता हुई जिसे दधीचि की अस्थियों से बनाया जा सके, तब महर्षि दधीचि ने लोककल्याण के लिए अपना शरीर ही त्याग दिया। उनकी अस्थियों से वज्र बनाया गया और उससे जनकल्याण की रक्षा हुई। यह कथा आधुनिक अर्थों में अंगदान की चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं है, लेकिन अपने शरीर को भी समाज और सृष्टि के कल्याण के लिए समर्पित कर देने की भारतीय त्याग-चेतना का अत्यंत शक्तिशाली प्रतीक अवश्य है। भारत के राष्ट्रपति सचिवालय ने भी अंग एवं देहदान की भारतीय परंपरा को समझाते हुए महर्षि दधीचि के इस प्रसंग का उल्लेख किया है। हमारी परंपरा में राजा शिवि की कथा भी त्याग और जीव-दया की अद्भुत मिसाल है। एक कबूतर की रक्षा के लिए उन्होंने अपने शरीर का मांस तक देने की तत्परता दिखाई। चाहे ये प्रसंग धार्मिक आख्यान हों, लेकिन इनके भीतर छिपा संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है–अपने जीवन और शरीर को केवल अपनी निजी संपत्ति न समझना, बल्कि उसे व्यापक जीवन के कल्याण से जोड़ना। जैन दर्शन का सूत्र ह्लपरस्परोपग्रहो जीवानाम्ह्व भी यही बताता है कि जीव एक-दूसरे के उपकार के लिए हैं। अंगदान इस विचार का आधुनिक वैज्ञानिक रूप कहा जा सकता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने इस मानवीय भावना को वास्तविक जीवन बचाने की शक्ति प्रदान कर दी है। वर्ष 1954 में दुनिया का पहला सफल मानव किडनी प्रत्यारोपण हुआ। रोनाल्ड ली हेरिक ने अपनी एक किडनी अपने जुड़वां भाई रिचर्ड को दान की थी। यह घटना चिकित्सा इतिहास में एक ऐसी क्रांति की शुरूआत बनी, जिसने आगे चलकर अंग प्रत्यारोपण को लाखों लोगों के लिए जीवन की आशा बना दिया। इसके बाद 1967 में मानव हृदय प्रत्यारोपण की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि चिकित्सा विज्ञान मनुष्य की मृत्यु और जीवन के बीच खड़ी कई दीवारों को तोड़ सकता है। भारत ने भी इस क्षेत्र में उल्लेखनीय यात्रा की है। देश में पहला सफल किडनी प्रत्यारोपण 1 दिसंबर 1971 को चेन्नई के क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में हुआ था। उस समय शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक दिन भारत में हजारों लोगों के लिए अंग प्रत्यारोपण जीवन का नया द्वार बनेगा।

हर दिन होगी तीज

डॉ. प्रियंका 'सौरभ'

कविता

सावन में है तीज का, एक अलग उल्लास`
प्रेम रंग में भीग कर, कहती जीवन खास``
जैसे सावन में सदा, होती खूब बहार`
ऐसे ही हर घर सदा, मने तीज त्योहार``

हाथों में मेंहदी रची, महक रहा है प्यार`
चूड़ी, पायल, करधनी, गोरी के श्रृंगार``
उत्सव, पर्व, समारोह है, ये हरियाली तीज`
आती है हर साल ये, बोने खुशियां बीज``

अगर हमीं बोते रहे, राग- द्वेष के बीज`
होंगे फीके प्रेम बिन, सावन हो या तीज`
बोए मिलकर हम सभी, अगर प्रेम के बीज`
रहे न चिन्ता दुख कभी, हर दिन होगी तीज`

प्यार-प्रेम सिंचित करें, हृदय यूं दे बीज`
हरी-भरी हो जिंदगी, तभी सफल हो तीज`
भावहीन अब हो रहे, सभी तीज त्यौहार`
लगे प्यार के बीज यदि, मिटे दिलों की रार``

सावन झूले हैं कहाँ, और कहाँ है तीज`
मन में भरे कलेश के, सबके काले बीज``
मन को ऐसे रंग लें, भर दें ऐसा प्यार`
हर पल हर दिन ही रहे, सावन का त्यौहार``

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

दरकते शासन की आहट; निरंकुश और बेलगाम प्रशासन

एनके शर्मा
लेखक

लोकतंत्र केवल चुनावों से जीवित नहीं रहता। लोकतंत्र की वास्तविक साँस उन संस्थाओं में चलती है, जो सत्ता को सीमित करती हैं; उन कानूनों में, जो शासक और शासित दोनों को समान कसौटी पर कसते हैं; और उस प्रशासनिक संस्कृति में, जहाँ नागरिक को प्रजा नहीं, अधिकार-संपन्न व्यक्ति माना जाता है। जिस दिन शासन व्यवस्था में जवाबदेही कमजोर होने लगे, निर्णय प्रक्रिया पर पारदर्शिता का पर्दा पड़ने लगे और प्रशासनिक अधिकार विवेक के बजाय अहंकार से संचालित होने लगें, उसी दिन लोकतंत्र के भवन में पहली दरार दिखाई देती है। यह दरार अचानक दिखाई देने वाला विस्फोट नहीं होती; यह धीरे-धीरे फैलता हुआ वह मौन संकट है, जिसकी आहट समय रहते सुन ली जाए तो व्यवस्था बचाई जा सकती है।

निरंकुश प्रशासन की सबसे भयावह विशेषता यह नहीं कि वह आदेश देता है, बल्कि यह है कि वह अपने आदेश को प्रश्नों से ऊपर समझने लगता है। जब अधिकारी स्वयं को कानून का सेवक नहीं, कानून का अंतिम निर्णायक समझने लगे; जब नागरिक की शिकायत को अधिकार की आवाज के बजाय व्यवधान माना जाने लगे; जब फाइलें नियमों से नहीं, व्यक्तिगत प्रभावों से गति लेने लगें; जब कार्रवाई निष्पक्षता से नहीं बल्कि पसंद-नापसंद, दबाव और राजनीतिक समीकरणों से निर्धारित होने लगे–तब शासन का चरित्र बदलना शुरू हो जाता है।

प्रशासन लोकतंत्र का चेहरा होता है। सरकारें बदलती रहती हैं, लेकिन प्रशासनिक संस्थाएँ निरंतर चलती हैं। इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थिरता इस बात पर निर्भर करती है कि प्रशासन सत्ता परिवर्तन के साथ अपना चरित्र न बदले। दुर्भाग्य तब जन्म लेता है, जब प्रशासनिक मशीनरी संवैधानिक मर्यादाओं से अधिक राजनीतिक संकेतों को पढ़ने लगे। फिर कानून की किताब मेज पर रहती है और निर्णय कहीं और लिखे जाने लगते हैं।

निरंकुशता हमेशा लाठी लेकर नहीं आती। कई बार वह एक नोटशीट, एक आदेश, एक नोटिस, एक लंबित फाइल, एक मनमानी व्याख्या या एक अनुत्तरित शिकायत के रूप में सामने आती है। नागरिक को प्रत्यक्ष रूप से प्रताड़ित किए बिना भी व्यवस्था उसे इतना थका सकती है कि वह अपने अधिकार के लिए लड़ना ही छोड़ दे। यही प्रशासनिक निरंकुशता का सबसे खतरनाक रूप है–जहाँ अन्याय इतना संस्थागत हो जाता है कि पीड़ित व्यक्ति न्याय माँगने के बजाय व्यवस्था से समझौता करना सीख जाता है।

जब किसी नागरिक को अपने वैध कार्य के लिए बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ें, जब उसे नियमों की अस्पष्ट व्याख्याओं के बीच उलझाया जाए, जब एक ही विषय पर अलग-अलग अधिकारियों द्वारा अलग-अलग मानदंड अपनाए जाएँ और जब शिकायत निवारण की पूरी प्रक्रिया केवल औपचारिकता बन जाए, तब समस्या किसी एक अधिकारी की नहीं रहती। वह शासन-प्रणाली की बीमारी बन जाती है।

लोकतंत्र में प्रशासन को अधिकार इसलिए दिए जाते हैं कि वह जनता की सेवा कर सके, न कि जनता पर अधिकार जमा सके। पद किसी व्यक्ति की निजी जागीर नहीं है। सरकारी कुर्सी पर बैठा व्यक्ति जितना शक्तिशाली दिखाई देता है, संवैधानिक दृष्टि से वह उतना ही अधिक उत्तरदायी होता है। अधिकार के साथ उत्तरदायित्व जुड़ा है और विवेकाधिकार के साथ न्यायसंगत कारण देने की बाध्यता। जब यह संतुलन टूटता है तो प्रशासन सेवा से सत्ता में और सत्ता से भय में परिवर्तित होने लगता है।

सबसे चिंताजनक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब अधीनस्थ व्यवस्था वरिष्ठ अधिकारी के निर्णय पर प्रश्न उठाने से डरने लगे। एक स्वस्थ प्रशासन में असहमति सुधार का माध्यम होती है; बीमार प्रशासन में असहमति अपराध समझी जाने लगती है। जहाँ अधिकारी केवल आदेश सुनने के अभ्यस्त हो जाएँ और गलत आदेश पर भी मौन साध लें, वहाँ संस्थाएँ धीरे-धीरे व्यक्ति-निर्भर हो जाती हैं। फिर कानून व्यवस्था नहीं चलाता, बल्कि व्यक्ति की इच्छा व्यवस्था का रूप लेने लगती है।

यहाँ मीडिया, न्यायपालिका, विधायिका, नागरिक समाज और जागरूक नागरिकों की भूमिका निर्णायक हो जाती है। लोकतंत्र में प्रश्न पूछना विद्रोह नहीं है। सूचना माँगना अपराध नहीं है। प्रशासनिक निर्णय की समीक्षा चाहना व्यवस्था-विरोध नहीं है। भ्रष्टाचार या मनमानी के विरुद्ध आवाज उठाना राष्ट्र-विरोध नहीं है। बल्कि इन अधिकारों का प्रयोग ही लोकतंत्र को जीवित रखता है।

दुर्भाग्य से आज सबसे बड़ा संकट केवल भ्रष्टाचार नहीं, बल्कि जवाबदेही के क्षरण का है। भ्रष्टाचार से आर्थिक नुकसान होता है, लेकिन जवाबदेही के पतन से संस्थागत नुकसान होता है। पैसा वापस पाया जा सकता है, किंतु यदि नागरिक का संस्थाओं से विश्वास उठ जाए तो उसे पुनर्स्थापित करना अत्यंत कठिन होता है। जिस दिन जनता यह मानने लगे कि न्याय केवल प्रभावशाली लोगों के लिए उपलब्ध है, उस दिन लोकतंत्र की नैतिक नींव कमजोर पड़ जाती है।

शासन को यह समझना होगा कि नागरिक की सहनशीलता को उसकी कमजोरी समझना ऐतिहासिक भूल होगी। शांत समाज हमेशा संतुष्ट समाज नहीं होता। कभी-कभी मौन असहमति का सबसे गहरा रूप होता है। जब शिकायतें बढ़ती रहें, लेकिन समाधान घटते जाएँ; जब प्रश्न बढ़ते रहें, लेकिन उत्तर गायब होते जाएँ; जब अधिकार कागज पर सुरक्षित हों, लेकिन व्यवहार में कठिन–तो समझ लेना चाहिए कि व्यवस्था के भीतर कुछ गंभीर रूप से दरक रहा है। प्रशासनिक सुधार केवल नई योजनाएँ बनाने से नहीं होगा। इसके लिए निर्णय प्रक्रिया में पारदर्शिता, समयबद्ध सेवा, स्पष्ट उत्तरदायित्व, स्वतंत्र शिकायत निवारण, रिकॉर्ड की जवाबदेही, अधिकारियों के विवेकाधिकार की निगरानी और नागरिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार आवश्यक है। डिजिटल शासन तभी सार्थक है जब वह मनमानी को डिजिटल रूप से तेज न करे, बल्कि पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत करे। सत्ता चाहे किसी भी दल की हो और अधिकारी चाहे किसी भी पद पर हो–संविधान उससे ऊपर है। यही लोकतंत्र का मूल मंत्र है। शासन की शक्ति का वास्तविक सौंदर्य उसकी कठोरता में नहीं, उसकी मर्यादा में है। एक मजबूत सरकार वह नहीं जो नागरिक को भयभीत करे; मजबूत सरकार वह है जिसके सामने नागरिक निडर होकर अपनी बात रख सके और फिर भी उसे न्याय मिलने का विश्वास बना रहे।

आज आवश्यकता किसी व्यक्ति, दल या सरकार को कटघरे में खड़ा करने से अधिक उस प्रशासनिक संस्कृति को चुनौती देने की है, जिसमें पद प्रतिष्ठा का पर्याय और अधिकार निरंकुशता का साधन बन जाते हैं। यदि शासन जनता से दूर और सत्ता के अहंकार के निकट होता गया, तो लोकतंत्र की औपचारिक संरचनाएँ भले खड़ी रहें, उसकी आत्मा कमजोर पड़ जाएगी।

समय की चेतावनी स्पष्ट है–शासन को नागरिक पर शासन करने की मानसिकता से निकलकर नागरिक के प्रति उत्तरदायी होने की संस्कृति में लौटना होगा। क्योंकि जब प्रशासन बेलगाम होता है तो केवल नागरिक के अधिकार नहीं कुचले जाते; अंततः शासन की विश्वसनीयता, संस्थाओं की गरिमा और लोकतंत्र का नैतिक आधार भी घायल होता है।

दरकते शासन की आहट को अनसुना करना बुद्धिमत्ता नहीं, आत्मघात है। आज यदि संस्थाओं को मजबूत नहीं किया गया, जवाबदेही को पुनर्जीवित नहीं किया गया और प्रशासनिक अहंकार पर संवैधानिक मर्यादा की लगाम नहीं लगाई गई, तो कल वही दरारें इतनी चौड़ी हो सकती हैं कि उन्हें भरना किसी सरकार, किसी संसद या किसी पीढ़ी के लिए आसान नहीं होगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान की प्रतियाँ सुरक्षित रखने से नहीं होगी; उसकी रक्षा तब होगी, जब सत्ता के प्रत्येक गलियारे में यह स्मरण जीवित रहे कि कुर्सी अस्थायी है, अधिकार सीमित हैं और जनता सर्वोपरि है।

ट्रंप का गुप्त विमान ऑपरेशन: जब सुरक्षा के लिए बदलना पड़ा पूरा सफर!

किशन भावनानीं
लेखक

वैश्विक स्तरपर भारत की धरती पर सदियों से चली आ रही कहावत वड़ा सड़ावण, वड़ा दुख पावण यानें जितना बड़ा पद,उतनी बड़ी जिम्मेदारी और उतनी ही बड़ी चिंता,केवल सामाजिक जीवन पर लागू नहीं होती; अंतरराष्ट्रीय राजनीति और राष्ट्राध्यक्षों की सुरक्षा पर भी यह कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है। दुनियाँ के सबसे शक्तिशाली देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जब किसी दूसरे देश की यात्रा करते हैं तो उनके साथ केवल राजनयिक प्रोटोकॉल नहीं चलता,बल्कि खुफिया एजेंसियों,सुरक्षा विशेषज्ञों,सैन्य अधिकारियों, वैकल्पिक मार्गों,वैकल्पिक विमानों और आपातकालीन योजनाओं का पूरा जाल चलता है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि संभवतः इसकी वजह भी साफ है,किसी सामान्य व्यक्ति कीसुरक्षा में चूक एक व्यक्तिगत त्रासदी हो सकती है, लेकिन किसी राष्ट्राध्यक्ष की सुरक्षा में चूक का असर पूरे देश की राजनीति, सैन्य रणनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ सकता है। इसी पृष्ठभूमि में 12 अगस्त 2026 को सामने आए बयान में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तुर्की से गुप्त रूप से विमान बदलने की घटना पर कहा कि यह फैसला उनका व्यक्तिगत निर्णय नहीं था, बल्कि सीक्रेट सर्विस और सैन्य अधिकारियों की सलाह पर लिया गया था। ट्रंप के अनुसार, सुरक्षा अधिकारियों ने उन्हें विमान बदलने के लिए कहा और उन्होंने बिना ज्यादा सवाल किए उनकी सलाह मान ली। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जिस वैकल्पिक विमान में उन्हें ले जाया गया, वह मूल विमान की तुलना में कुछ परिस्थितियों में ग्रेटर रिस्क में हो सकता था। इस बयान से यह स्पष्ट होता है कि अमेरिकी सुरक्षा तंत्र के आकलन में मुद्दा केवल यह नहीं था कि कौन- सा विमान तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित है, बल्कि यह भी था कि संभावित हमलावर किस विमान को राष्ट्रपति का वास्तविक विमान समझ सकता है।बता दें कि 8 जुलाई 2026 को तुर्की के अंकारा से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की गुप्त रूप से विमान बदलकर यात्रा करने की खबर ने दुनियाँ का ध्यान खींचा है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि राष्ट्रपति को कथित ईरानी खतरे के बीच उनके विमान से निकालकर दूसरे सैन्य विमान तक पहुंचाने में एयरपोर्ट के कैटरिंग वाहन का इस्तेमाल किया गया। लेकिन इस कहानी का असली रोमांच कैटरिंग ट्रक नहीं, बल्कि वह डिसेप्शन स्ट्रेटेजी है जिसके तहत संभावित हमलावर को यह पता न चलने दिया जाए कि अमेरिकी राष्ट्रपति वास्तव में किस विमान में हैं।और जब इस घटना की तुलना भारत तथा वर्ष 2000 में बिल क्लिंटन की पाकिस्तान यात्रा से की जाती है,तब यह स्पष्ट होता है कि राष्ट्राध्यक्षों की सुरक्षा में गोपनीयता, वैकल्पिक मार्ग, वैकल्पिक विमान और ह्यडिकॉयह्न रणनीति कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।यानें घटना 8 जुलाई 2026 की है,10 अगस्त 2026 के आसपास इस गुप्त विमान-परिवर्तन की खबर सार्वजनिक हुई,11 अगस्त को अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इसे विस्तार से रिपोर्ट किया और 12 अगस्त 2026 को ट्रंप ने स्वयं इसकी पुष्टि कर दी।

साथियों बात अगर हम अंकारा में आखिर हुआ क्या था? इसको समझने की करें तो रिपोर्टों के अनुसार, नाटो सम्मिट के बाद ट्रंप को तुर्की से रवाना होना था। सामान्य परिस्थितियों में राष्ट्रपति के विमान की पूरी गतिविधि अत्यंत सुरक्षित और नियंत्रित रहती है। लेकिन अमेरिकी खुफिया एवं सुरक्षा अधिकारियों के सामने कथित रूप से ऐसा खतरा आया जिसमें ट्रंप अथवा उनके विमान को निशाना बनाए जाने की आशंका थी। इसलिए सुरक्षा टीम ने असाधारण निर्णय लिया। ट्रंप को सार्वजनिक रूप से एयर फोर्स वन की ओर जाते हुए दिखाया गया,लेकिन वे वास्तव में उस विमान में अपनी यात्रा जारी नहीं रखने वाले थे। इसके बाद उन्हें विमान से अलग करके एयरपोर्ट के एक कैटरिंग कंटेनर/वाहन के जरिए दूसरे स्थान तक ले जाया गया, जहां एक छोटे सैन्य विमान–सी -32ए से उनकी वास्तविक यात्रा शुरू हुई। एपी ने भी इस बात की पुष्टि की कि ट्रंप को कथित तौर पर कैटरिंग वैन के जरिए दूसरे विमान तक पहुंचाया गया और दूसरी ओर एयर फोर्स वन जैसा दिखाई देने वाला विमान सटिका से आगे बढ़ा।

साथियों, कैटरिंग वाहन क्यों यही इस ऑपरेशन कीसबसे असाधारण कड़ी थी राष्ट्राध्यक्ष की वास्तविक लोकेशन को अनिश्चित रखना स्वयं सुरक्षा का हथियार बन जाता है। किसी संभावित हमलावर के पास यदि यह सूचना हो कि राष्ट्रपति किस विमान में हैं, तो वह उस विमान को निशाना बनाने की कोशिश कर सकता है। लेकिन यदि सार्वजनिक रूप से दिखाई देने वाला विमान वास्तव में राष्ट्रपति को लेकर नहीं जा रहा हो और राष्ट्रपति किसी अप्रत्याशित रास्ते से दूसरे विमान में चले जाएं, तो संभावित हमलावर के लिए सही लक्ष्य की पहचान करना कठिन हो जाता है।असल में यह डिसेप्शन यानी सटीकता से भ्रम पैदा करने वाली सुरक्षा रणनीति थी।

साथियों, ट्रंप की यह घटना पूरी तरह अभूतपूर्व नहीं है। इसके सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक उदाहरणों में मार्च 2000 में तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन की पाकिस्तान यात्रा शामिल है। उस समय पाकिस्तान में सुरक्षा परिस्थितियां अत्यंत संवेदनशील थीं। क्लिंटन भारत यात्रा के बाद पाकिस्तान पहुंचे थे और उनकी सुरक्षा को लेकर अमेरिकी प्रशासन ने एक असाधारण योजना बनाई। एक विमान को इस तरह इस्तेमाल किया गया कि वह राष्ट्रपति के वास्तविक विमान जैसा दिखाई दे, जबकि क्लिंटन स्वयं एक अलग, बिना स्पष्ट पहचान वाले विमान से पाकिस्तान पहुंचे। वाशिंगटन पोस्ट की 11 अगस्त 2026 की रिपोर्ट के अनुसार,क्लिंटन प्रशासन

मोर, पपीहा और कोयल: सावन के प्राकृतिक संगीत की तीन सुरें

डॉ विजय गर्ग
लेखक

सावन के आगमन के साथ प्रकृति का रूप ही बदल जाता है। आकाश में काले बादल छा जाते हैं, वर्षा की बूंदें धरती को भिगोने लगती हैं, मिट्टी से सोंधी खुशबू उठती है और गर्मी से मुरझाए पेड़-पौधे तथा खेत जैसे फिर से जीवंत हो उठते हैं। इस मनमोहक परिवर्तन के बीच मोर, पपीहे और कोयल की आवाजें सावन के प्राकृतिक संगीत की तीन विशिष्ट सुरों में बदल जाती हैं। ये पक्षी केवल सावन के प्राकृतिक दृश्य का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि उनकी आवाजें भारतीय जीवन की भावनाओं, लोक-परंपराओं और स्मृतियों से भी गहराई से जुड़ी हुई हैं।

मोर: वर्षा की खुशी का प्रतीक

सावन के साथ मोर का संबंध बहुत पुराना और गहरा है। जब आकाश में बादल घिरते हैं और पहली फुहारें धरती को भिगोती हैं, तब मोर की पुकार जैसे आने वाली वर्षा की सूचना देती है। अपने सुंदर पंख फैलाकर मोर का नृत्य सावन के सबसे मनमोहक दृश्यों में से एक है। काले बादलों की पृष्ठभूमि में नाचता हुआ मोर ऐसा प्राकृतिक चित्र प्रस्तुत करता है, जिसे समझाने के लिए शब्दों की आवश्यकता नहीं होती। ऐसा लगता है मानो स्वयं प्रकृति वर्षा के आगमन का उत्सव मना रही हो। कवियों और कलाकारों ने पीढ़ियों से मोर को सुंदरता, उल्लास और सावन की खुशी के प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया है। मोर हमें भारत की समृद्ध जैव-विविधता की भी याद दिलाता है। जंगलों, खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में उसकी उपस्थिति प्राकृतिक वातावरण को और अधिक रंगीन और जीवंत बना देती है।

पपीहा: वर्षा की प्रतीक्षा की आवाज

पपीहा, जिसे भारतीय साहित्यिक परंपरा में अक्सर ह्यचातकह्न से जोड़ा जाता है, का सावन से विशेष संबंध है। इसकी विशिष्ट पुकार वर्षा ऋतु से जुड़ी हुई है और पीढ़ियों से लोग इसकी आवाज को बारिश की प्रतीक्षा के साथ जोड़ते आए हैं। भारतीय लोक-साहित्य और कविता में पपीहे को अक्सर वर्षा की बेसब्री से प्रतीक्षा करने वाले पक्षी के रूप में चित्रित किया गया है। इससे जुड़ी सभी लोक-मान्यताएं वैज्ञानिक रूप से सही हों, यह आवश्यक नहीं है, लेकिन इस पक्षी की सांस्कृतिक छवि आज भी अत्यंत प्रभावशाली है। पपीहे की बार-बार सुनाई देने वाली पुकार पत्तों की सरसराहट और गिरती वर्षा की बूंदों के बीच प्रकृति के संगीत में एक और मधुर स्वर जोड़ देती है।

कोयल: प्रकृति की मधुर आवाज

कोयल भारतीय कविता, लोकगीतों और लोक-साहित्य में सबसे अधिक प्रसिद्ध गाने वाले पक्षियों में से एक है। इसकी मधुर कूक लंबे समय से सुंदरता, विरह, प्रेम और ऋतुओं के परिवर्तन से जुड़ी रही है। हालांकि कोयल की आवाज वर्ष के अलग-अलग समय में सुनाई दे सकती है, लेकिन बारिश, हवा और भीगे पत्तों की सरसराहट के साथ इसकी कूक और भी मनमोहक लगती है। इसकी मधुर लय सावन के शांत और सुहावने वातावरण में सहज रूप से घुल जाती है। कई लोगों के लिए किसी पास के पेड़ से आती कोयल की कूक बचपन की यादों, गांव के जीवन, गर्मियों की दोपहरों और वर्षा की प्रतीक्षा के पलों को फिर से जीवंत कर देती है।

प्रकृति की एक सुरमयी सिम्फनी

मोर, पपीहा और कोयल मिलकर सावन के प्राकृतिक संगीत को एक अनूठा रूप देते हैं। मोर वर्षा के दृश्यात्मक उल्लास का प्रतीक है, पपीहा वर्षा की प्रतीक्षा और आशा का स्वर छेड़ता है, जबकि कोयल अपनी मधुर कूक से इस संगीत को और सुरीला बना देती है। इन पक्षियों की आवाजों के साथ वर्षा की टप-टप, पत्तों की सरसराहट, बहते पानी की कल-कल और दूर से आती बादलों की गर्जना मिलकर प्रकृति की एक अद्भुत सिम्फनी रचती हैं। मनुष्य द्वारा बनाए गए संगीत के विपरीत प्रकृति के इस संगीत की कोई लिखित धुन नहीं होती। इसका ताल ऋतुओं, मौसम, जीव-जंतुओं की प्राकृतिक प्रवृत्तियों और पर्यावरण की ध्वनियों से बनता है। शायद यही बात सावन को इतना विशेष बनाती है। यह केवल धरती के रंग नहीं बदलता, बल्कि उसकी आवाजें भी बदल देता है।

सुंदरता से आगे: संरक्षण का संदेश

सावन में पक्षियों की ये मधुर आवाजें हमें यह भी याद दिलाती हैं कि वन्यजीवों के लिए स्वस्थ पर्यावरण कितना आवश्यक है। पक्षियों को घोंसले बनाने, भोजन खोजने और आश्रय पाने के लिए पेड़ों तथा प्राकृतिक आवासों की आवश्यकता होती है। आर्द्रभूमियां, घास के मैदान, कृषि क्षेत्र और जंगल असंख्य पक्षियों तथा अन्य जीवों के लिए महत्वपूर्ण आवास हैं। तेजी से बढ़ता शहरीकरण, पेड़ों की कटाई, प्रदूषण, बढ़ता शोर और प्राकृतिक आवासों का विनाश धीरे-धीरे उन आवाजों को शांत कर सकता है, जो कभी हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा हुआ करती थीं। यदि हम चाहते हैं कि आने वाली पीढ़ियां भी सावन में मोर का नृत्य देखें, कोयल की कूक सुनें और पपीहे की पुकार का आनंद लें, तो हमें उनके प्राकृतिक आवासों की रक्षा करनी होगी।

प्रकृति के संगीत को बचाना

सावन केवल वर्षा की ऋतु नहीं है। यह नए जीवन, रंगों, सुगंध और संगीत की ऋतु है। मोर, पपीहा और कोयल अपनी विशिष्ट आवाजों के माध्यम से इस परिवर्तन को एक विशेष संगीतमय पहचान देते हैं। \इनकी आवाजें हमें एक महत्वपूर्ण संदेश देती हैं–प्रकृति को अपनी सुंदरता दिखाने के लिए किसी कृत्रिम मंच की आवश्यकता नहीं है। इसके जंगल, खेत, बाग-बगीचे और जलभूमियां पहले से ही अनगिनत सुरों से भरी हुई हैं। जब सावन के पहले बादल आकाश में घिरें और वर्षा की बूंदें धरती को छूने लगें, तो हमें कुछ क्षण रुककर प्रकृति को सुनना चाहिए। हो सकता है पास ही कोई मोर पुकार रहा हो, पपीहा सावन के आगमन का संदेश दे रहा हो और कोयल अपनी मधुर कूक से इस संगीत में एक और स्वर जोड़ रही हो।

जोश के साथ भाजपाइयों ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

हापुड़ विधानसभा क्षेत्र के चारों मंडलों में गूंजे वंदे मातरम, भारत माता के जयकारे

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हापुड़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मंडलों में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने भव्य तिरंगा यात्राएं निकालीं। तिरंगा यात्रा के दौरान सड़कों पर देशभक्ति का उत्साह देखने को मिला और पूरा वातावरण भारत माता की जय, वंदे मातरम तथा जय हिंद के नारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और स्थानीय नागरिकों ने यात्रा में भाग लेकर राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। हापुड़ उत्तरी मंडल में मंडल अध्यक्ष प्रशांत त्यागी के नेतृत्व में स्वर्ग आश्रम रोड से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ हुआ। यात्रा पक्का बाग चौराहा, अतरपुरा चौपला, रेलवे रोड और फ्रीगंज रोड से होते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पहुंची। वहीं हापुड़ दक्षिण मंडल में मंडल अध्यक्ष सुनील वर्मा के नेतृत्व में मीनाक्षी रोड से निकली तिरंगा यात्रा का समापन अटल गौरव पार्क में हुआ। हापुड़ देहात मंडल में मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र राणावत के नेतृत्व में ग्राम खड़खड़ी से तिरंगा यात्रा निकाली गई। इसके अलावा बाबूगढ़ मंडल में कपिल सिंघल की अध्यक्षता में आयोजित तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। पिलखुवा, बहादुरगढ़, गढ़ नगर, नानपुर और सिंभावली क्षेत्र में भी तिरंगा यात्राओं का आयोजन कर लोगों को स्वतंत्रता दिवस और हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर विधायक विजयपाल आढ़ती ने कहा कि तिरंगा यात्रा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और अखंडता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन युवाओं और आम नागरिकों में राष्ट्र के प्रति सम्मान और समर्पण की भावना को मजबूत करते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से लोगों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत होती है और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का अवसर मिलता है। तिरंगा यात्राओं के दौरान कार्यकर्ताओं ने लोगों से अपने घरों और प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील की। पूरे क्षेत्र में निकाली गई इन तिरंगा यात्राओं ने स्वतंत्रता दिवस से पहले देशभक्ति का माहौल और अधिक उत्साहपूर्ण बना दिया।

स्वतंत्रता दिवस पर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर खाद्य विभाग ने की अपील

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व को दृष्टिगत रखते हुए जनपद में आम जनमानस को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित खाद्य-पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने छोटे दुकानदारों, हलवाई, खाद्य कारोबारियों एवं व्यापार मंडल से आवश्यक सावधानियां बरतने की अपील की है।सहायक आयुक्त (खाद्य), खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन हापुड़ ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों एवं आमजन को वितरित किए जाने वाले बूंदी के लड्डू, जलेबी, बूंदी, बताशे, समोसे, पकौड़े सहित अन्य खाद्य एवं पेय पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए।विभाग ने अपील की है कि खाद्य पदार्थों को प्रिंटेड पेपर अथवा अखबारी कागज में रखकर वितरित न किया जाए। खाद्य कारोबारियों द्वारा स्वच्छता एवं सैनिटेशन संबंधी निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत पालन किया जाए तथा कच्चे माल की खरीद से संबंधित अभिलेख सुरक्षित रखे जाएं।इसके अलावा खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार के अपमिश्रक की मिलावट न करने और मिठाइयों एवं नमकीन में प्रतिबंधित रंगों का प्रयोग न करने की हिदायत दी गई है। आमजन से भी अपील की गई है कि रंगीन मिठाइयां खरीदते समय निर्धारित मात्रा से अधिक रंग वाली मिठाइयों से बचें। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने कहा कि यह अपील जनहित में सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य-पेय पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई है।

पुलिस अधीक्षक से मिले सनातन विश्व ब्राह्मण संघ भारत के अध्यक्ष पंडित रविकांत शर्मा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। सनातन विश्व ब्राह्मण संघ भारत के अध्यक्ष पंडित रविकांत शर्मा की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पुलिस अधीक्षक हापुड़ कुंवर ज्ञानंजय सिंह से पुष्पगुच्छ भेंट कर शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान अध्यक्ष पंडित रविकांत शर्मा ने उत्तर प्रदेश में ब्राह्मण समाज पर बढ़ते अत्याचार एवं उत्पीड़न के मुद्दे को लेकर पुलिस अधीक्षक से चर्चा की। उन्होंने कहा कि लखनऊ, गोरखपुर, औरैया, कानपुर, गौतमबुद्ध नगर सहित प्रदेश के अन्य जनपदों में ब्राह्मण समाज से जुड़े मामलों को लेकर चिंता बढ़ रही है। यूपी कार्यकारी अध्यक्ष माया प्रकाश शर्मा ने कहा कि विश्व ब्राह्मण संघ भारत ब्राह्मण समाज पर बढ़ते अत्याचार एवं उत्पीड़न की कड़े शब्दों में निंदा करता है। उन्होंने कहा कि समाज के लोगों की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित होना आवश्यक है। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में पंडित गोपाल शर्मा उपाध्यक्ष यूपी, प्रशांत शर्मा एडवोकेट प्रदेश कानूनी सलाहकार, पंडित दिनेश शर्मा प्रदेश महासचिव, स्वतंत्र शर्मा, आशीष शर्मा जिला अध्यक्ष हापुड़, नितिन कुमार, सुनील शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पागल कुत्ते ने आधा दर्जन लोगों को काटकर किया घायल

बिजनौर (वेलकम इंडिया)। जनपद बिजनौर मंडावर पागल कुत्ते ने एक बच्चे सहित आधा दर्जन से अधिक लोगों को काटकर घायल कर दिया। गाँव खानपुर माधो ऊर्फ तिमरपुर में मंगलवार को एक पागल कुत्ता घुस आया। जिसने गाँव निवासी कुशलपाल, काले व बुधवार को घर के बाहर खडे केतन पुत्र कामेन्द्र 4 वर्ष के हाथ में व बाइक सवार महिला के पैर पर काट कर घायल कर दिया। ग्रामीण संजीव, सचिन, नीरज, कालू आदि ने बताया की एक पागल कुत्ता मंगलवार को गाँव में आ गया था। जिसने गाँव सहित गाँव से गुजरने वाले बाइक सवारो को काट कर घायल कर दिया है।

पीएमएसए शाखा बिजनौर की नई कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। जनपद बिजनौर प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ (पीएमएसए) शाखा बिजनौर की चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी आठ पदों पर प्रत्याशियों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। 7 अगस्त को नामांकन प्रक्रिया के दौरान सभी पदों पर एक-एक वैध नामांकन प्राप्त हुआ था, जिसके बाद निर्विरोध निर्वाचन लगभग तय माना जा रहा था। बुधवार, 12 अगस्त को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर डॉ. कौशलेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में चुनाव अधिकारी डॉ. के.के. राहुल ने निर्विरोध निर्वाचन की औपचारिक घोषणा की।

चुनाव प्रक्रिया चुनाव अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ. के.पी. सिंह एवं डॉ. के.के. राहुल की देखरेख और निर्देशन में शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। निर्वाचन की घोषणा के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। नई कार्यकारिणी में डॉ. आर.पी. विश्वकर्मा को अध्यक्ष, डॉ. रजनीश शर्मा एवं डॉ. यादवेंद्र सिंह को उपाध्यक्ष, डॉ. जुही अग्रवाल को महिला उपाध्यक्ष, डॉ. सर्वेश निराला को सचिव, डॉ. अंकित कुमार को वित्त सचिव, डॉ. अंकित कुमार को ऑडिटर तथा डॉ. बृजेश कुमार स्नेही को केंद्रीय कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। उल्लेखनीय है कि वित्त सचिव और ऑडिटर पद पर निर्वाचित दोनों डॉ. अंकित कुमार अलग-अलग चिकित्सक हैं। वित्त सचिव डॉ. अंकित कुमार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, पीएचसी नजीबाबाद हैं, जबकि ऑडिटर डॉ. अंकित कुमार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, पीएचसी धामपुर हैं। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने पदभार ग्रहण करते हुए संकल्प लिया कि संघ चिकित्सकों की मूलभूत समस्याओं, अधिकारों एवं उनके कल्याण से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता के साथ शासन-प्रशासन के समक्ष रखेगा। साथ ही चिकित्सकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संघ सक्रिय भूमिका निभाएगा। इस दौरान संघ के सदस्यों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई कि नई कार्यकारिणी चिकित्सकों के हितों के लिए प्रभावी ढंग से कार्य करेगी।

स्वतंत्रता दिवस पर नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगी क्रॉस कंट्री दौड़

14 अगस्त को स्केटिंग प्रतियोगिता, 15 अगस्त को महिला-पुरुष वर्ग में दौड़; प्रथम छह विजेताओं को मिलेगा विशेष पुरस्कार

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन एवं जिला खेल कार्यालय की ओर से नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। खेल भावना को बढ़ावा देने, युवाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने और जिले की स्थानीय खेल प्रतिभाओं को बेहतर मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आयोजित इन प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी उत्साहपूर्वक भाग लेंगे। जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार ने बताया कि प्रतियोगिता कार्यक्रम के तहत 14 अगस्त 2026 को नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम परिसर में स्केटिंग प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न आयु वर्ग के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकेंगे। इसके बाद 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सुबह क्रॉस कंट्री दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। 15 अगस्त को आयोजित होने वाली क्रॉस कंट्री दौड़ में महिला एवं पुरुष प्रतिभागियों के लिए अलग-अलग वर्ग निर्धारित किए गए हैं। पुरुष वर्ग के लिए 5 किलोमीटर तथा महिला वर्ग के लिए 3 किलोमीटर की दौड़ आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, फिटनेस और खेल भावना को बढ़ावा देना है। क्रॉस कंट्री दौड़ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले महिला एवं पुरुष वर्ग के प्रथम छह विजेताओं को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने के साथ ही उन्हें भविष्य में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया जाएगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम के कार्यालय में उपस्थित होकर प्रतियोगिता शुरू होने से पहले अपना पंजीकरण करा सकते हैं। सभी प्रतिभागियों के लिए प्रतियोगिता के दिन निर्धारित समय पर स्टेडियम में उपस्थित होना अनिवार्य होगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी राजकुमार ने जिले के खिलाड़ियों एवं युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने की अपील की है। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता एवं पंजीकरण से संबंधित अधिक जानकारी के लिए नेहरू स्पोर्ट्स स्टेडियम के कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

कर बकायेदारों के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

वेलकम इंडिया संवाददाता

पिलखुवा। नगर पालिका ने संपत्ति कर के बकायेदारों को एकमुश्त समाधान योजना का लाभ देने के लिए ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए निर्धारित आवेदन पत्र जारी किया गया है। कर निर्धारण अधिकारी ऋचा श्रीवास्तव ने बताया कि आवेदन पत्र में आवेदक को नाम, मोबाइल नंबर, संपत्ति पहचान संख्या और पते जैसी जानकारी भरनी होगी। साथ ही, 1 अप्रैल तक के बकाया कर, ब्याज या अधिभार और कुल बकाया राशि का विवरण देना अनिवार्य है। आवेदन के साथ पुराने गृहकर बिल, भुगतान रसीद या संपत्ति कर नोटिस में से कोई एक दस्तावेज संलग्न करना होगा। आवेदक को घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर भी करने होंगे। उन्होंने बकायेदारों से सही जानकारी और आवश्यक दस्तावेज के साथ आवेदन जमा करने की अपील की, ताकि योजना का लाभ मिल सके।

वन स्टॉप सेंटर 'सखी' का जिलाधिकारी ने किया औचक निरीक्षण

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। महिलाओं एवं बालिकाओं को एक ही छत के नीचे त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित वन स्टॉप सेंटर-'सखी' का बुधवार को जिलाधिकारी श्रीमती कविता मीना ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सेंटर में उपलब्ध मेडिकल सहायता, पुलिस सहायता, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श एवं अस्थायी आश्रय गृह की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

जिलाधिकारी ने पीड़ित महिलाओं के आगमन रजिस्टर, सहायता रजिस्टर एवं रेफरल रिकॉर्ड का अवलोकन करते हुए लंबित प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति की जानकारी ली। साथ ही सेंटर में तैनात प्रशासक, केस वर्कर, काउंसलर, नर्स एवं सुरक्षा कर्मियों की उपस्थिति पंजिका की भी जांच की। उन्होंने 181 महिला हेल्पलाइन एवं 112 से सेंटर के समन्वय की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि कॉल प्राप्त होने पर रिस्पांस टाइम न्यूनतम रखा जाए और पीड़ित महिलाओं को तत्काल आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सेंटर परिसर की साफ-सफाई, सीसीटीवी कैमरों, अग्निशमन यंत्रों तथा महिला सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि वन स्टॉप सेंटर संकट की घड़ी में महिलाओं एवं बालिकाओं के लिए महत्वपूर्ण सहारा है। सेंटर पर आने वाली प्रत्येक महिला एवं बालिका के साथ संवेदनशील एवं सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें आवश्यक सहायता समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराई जाए।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा जिला पुस्तकालय

विद्यार्थियों को मिलेगा बेहतर अध्ययन का माहौल, डीएम ने एसी, वाई-फाई और बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया

बागेश्वर। जिला पुस्तकालय को आधुनिक एवं विद्यार्थियों के अनुकूल सुविधाओं से युक्त करने की दिशा में जिलाधिकारी अपूर्वा पाण्डे ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पुस्तकालय भवन के मरम्मत कार्य, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा विद्यार्थियों के लिए अध्ययन की सुविधाओं को और बेहतर बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने पुस्तकालय में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एसी, वाई-फाई, पर्याप्त चार्जिंग प्वाइंट और बेहतर लाइटिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवश्यकतानुसार टाइलिंग सहित अन्य मरम्मत कार्य भी समयबद्ध तरीके से कराने को कहा। डीएम ने पुस्तकालय में उपलब्ध स्थान का बेहतर उपयोग करते हुए सीटिंग क्षमता बढ़ाने पर भी जोर दिया, ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थी शांत और सुविधाजनक वातावरण में अध्ययन कर सकें। उन्होंने कहा कि पुस्तकालय को आधुनिक स्वरूप देने का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए बेहतर, शांत और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। उन्होंने अधिकारियों को सभी आवश्यक कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने को कहा, जिससे विद्यार्थियों को पुस्तकालय की सुविधाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में आरडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता आर. चंद्रा, जिला शिक्षा अधिकारी आशाराम, लाइब्रेरियन भुवन जोशी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नूरपुर मे भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली भव्य तिरंगा यात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

नूरपुर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वावधान में नूरपुर नगर में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। नूरपुर मुरादाबाद रोड स्थित परफैक्ट क्लासेज से भारतीय जनता पार्टी द्वारा तिरंगा यात्रा का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व परिवहन मन्त्री एम.एल.सी. अशोक कटारिया ने किया। तिरंगा यात्रा में नगर परफैक्ट क्लासेज के विद्यार्थियों, भाजपा कार्यकर्ता, नगर के वरिष्ठ नागरिको, व्यापारियो ने बढ चढकर हिस्सा लिया। तिरंगा यात्रा मे भारत माता की जय, वन्दे मातरम के नारो से पूरा नगर गूंज उठा। तिरंगा यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए। प्रेरित तिरंगा यात्रा नगर के परफैक्ट क्लासेस से शुरू होकर मन्दिर चौराहा, रोडवेज बस स्टैंड होते हुए शहीद तिराहे पर सम्पन्न हुई। तिरंगा यात्रा में ब्लॉक प्रमुख आकांक्षा चौहान समाजसेवी राशु चौहान, नगर पालिका अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह, मंडल अध्यक्ष निशांत कर्णवाल, परफैक्ट क्लासेज के एम.डी. विपिन कुमार, जिला सहकारी बैंक चेयरमैन दिनेश चौधरी, इंजीनियर कवीश राणा, डीसीएफ चैयरमैन पुष्पेन्द्र शेखावत, जितेंद्र बैस, किसान मोर्चा जिला मंत्री सत्यवीर चौहान, वीरप्रकाश सिंह भुईयार, अंकित जोशी, राजीव जोशी, राहुल यादव, हितेंद्र चौहान, अशोक चौधरी, ईशमपाल चौधरी, प्रदीप राणा, बिजेंद्र सिंह भुईयार, डॉ जसविंदर कौर, डॉ शीला राणा, कमलेश प्रजापति, शिवांगी ठाकुर, रेनू चौहान, नीलम चौहान, आदि शामिल रहे।

शिव, सिद्ध व रवि योग में 15 अगस्त को मनेगा हरियाली तीज का पर्व

वेलकम इंडिया संवाददाता

हापुड़। भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित हरियाली तीज पर्व 15 अगस्त को शिव, सिद्ध व रवि योग में मनाया जाएगा। सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य और दांपत्य सुख के लिए व्रत रखेंगी और अविवाहित कन्याएं अच्छे जीवनसाथी के लिए व्रत व पूजा करेंगी। ज्योतिर्विद पंडित सुबोध पांडेय ने बताया कि हरियाली तीज पर्व श्रावण शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार तृतीया तिथि 14 अगस्त को शाम 6:46 बजे से प्रारंभ होगी और 15 अगस्त को शाम 5:28 बजे तक रहेगी। हरियाली तीज पर्व पर शिव, सिद्ध व रवि योग का संयोग बन रहा है, जो अत्यंत शुभ है। सुबह छह बजे से दोपहर 12:15 बजे तक पूजन के लिए शुभ मुहूर्त रहेगा। हरियाली तीज व्रत को सुहागिन महिलाएं और कुंवारी कन्याएं करती हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन महादेव की साधना करने से वैवाहिक जीवन खुशहाल रहता है और कुंवारी कन्याओं के विवाह में आ रही बाधा दूर होती है। वैदिक पंचांग के अनुसार 15 अगस्त के प्रातः स्नान कर स्वच्छ हरे रंग के वस्त्र पहनें। भगवान शिव और माता पार्वती का ध्यान करके व्रत का संकल्प लें। पूजा स्थान पर शिव-पार्वती की प्रतिमा, चित्र स्थापित करें। भगवान शिव को जल, दूध अक्षत, बेलपत्र, पुष्प, मिष्ठान, ऋतुफल आदि अर्पित करें। माता पार्वती को कुमकुम, सिंदूर, चूड़ी, मेंहदी, चुनरी आदि अर्पित करें। शिव-पार्वती की पूजा के बाद हरियाली तीज व्रत कथा सुनें या पढ़ें। सुहागिन महिलाएं अपनी क्षमता के अनुसार श्रृंगार करके झूला झूलने और तीज के पारंपरिक गीत गाने की परंपरा निभाती हैं। इस दिन जरूरतमंद महिला को वस्त्र, श्रृंगार सामग्री, फल या अन्न का दान करना शुभ माना जाता है।

कजरी निरंजनपुर गौशाला में पकड़ा गया तेंदुआ

तेंदुए की मौजूदगी से मचा हड़कंप, खुटार रेंज की टीम ने घंटों की मशक्कत के बाद सुरक्षित पकड़ा, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। कजरी निरंजनपुर स्थित गौशाला में बुधवार को तेंदुआ दिखाई देने की सूचना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। गौशाला परिसर में तेंदुए की मौजूदगी की जानकारी मिलते ही वहां काम करने वाले कर्मचारियों के साथ आसपास के ग्रामीणों में भी दहशत फैल गई। गौशाला में तेंदुए के पहुंचने से पशुओं की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बढ़ गई। सूचना मिलते ही वन विभाग की खुटार रेंज की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेने के बाद तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। रेस्क्यू अभियान खुटार रेंज के क्षेत्रीय वन अधिकारी (आरएफओ) दिनेश बडोला के नेतृत्व में चलाया गया। वन विभाग की टीम ने मौके की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने की रणनीति तैयार की। टीम ने पूरी सतर्कता के साथ तेंदुए को घेरने का प्रयास किया और आसपास के क्षेत्र को भी सुरक्षित किया गया, ताकि रेस्क्यू के दौरान किसी ग्रामीण, कर्मचारी या पशु को नुकसान न पहुंचे। काफी मशक्कत और सावधानी के बाद वन विभाग की टीम तेंदुए को सुरक्षित पकड़ने में सफल रही। तेंदुए के पकड़े जाने की सूचना मिलते ही गौशाला कर्मचारियों और आसपास मौजूद ग्रामीणों ने राहत की सांस ली। रेस्क्यू के दौरान वन विभाग की टीम ने लोगों को मौके से दूर रखा और किसी भी व्यक्ति को तेंदुए के पास जाने की अनुमति नहीं दी। तेंदुए की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग ने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। अधिकारियों ने ग्रामीणों और गौशाला कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे तेंदुए के नजदीक जाने या भीड़ लगाने का प्रयास न करें। टीम के कर्मचारियों ने संभावित खतरे को देखते हुए आसपास के लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा और पूरी प्रक्रिया को नियंत्रित तरीके से आगे बढ़ाया। वन विभाग की सतर्कता के चलते रेस्क्यू अभियान के दौरान किसी प्रकार की अप्रिय घटना सामने नहीं आई। तेंदुए को सुरक्षित तरीके से पकड़ने के बाद उसे वन विभाग की टीम अपने साथ ले गई। रेस्क्यू अभियान में बीट प्रभारी दीपक कुमार, वन रक्षक प्रियंका, अमनदीप, योगिंदर और आशीष शुक्ला ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इनके अलावा सेक्शन प्रभारी अनिल कुमार वर्मा तथा न्यूनतम वेतन कर्मचारी सुभाष, गोविंद, बाहोरन, आलोक और रामपाल समेत अन्य कर्मचारियों ने भी अभियान में सहयोग किया। टीम के सदस्यों ने तेंदुए को नियंत्रित करने से लेकर उसे सुरक्षित स्थान तक ले जाने तक पूरी प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरती। अधिकारियों और कर्मचारियों की तत्परता के चलते अभियान सफलतापूर्वक पूरा किया जा सका। गौशाला में तेंदुए की मौजूदगी से कुछ समय के लिए कजरी निरंजनपुर क्षेत्र में भय का माहौल बन गया था। ग्रामीण अपने पशुओं और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे। वहीं गौशाला में मौजूद पशुओं और कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर भी आशंका बनी हुई थी। हालांकि वन विभाग की टीम द्वारा समय रहते मौके पर पहुंचकर कार्रवाई किए जाने और तेंदुए को सुरक्षित पकड़ लिए जाने के बाद क्षेत्र में बनी दहशत काफी हद तक कम हो गई।

नववर्ष मेला समिति का रक्तदान शिविर 26 अगस्त को

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। नववर्ष मेला समिति की मंगलवार को सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर मथुरा में आयोजित बैठक में 26 अगस्त को प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में एक रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

समिति महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने बताया है कि नववर्ष मेला समिति द्वारा रजत जयंती वर्ष में सेवा कार्यों के अंतर्गत पहली बार रक्त दान शिविर लगाकर रक्तदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी रक्त दानदाताओं को रक्तदान कार्ड, रक्तदान प्रमाण पत्र एवं उपहार प्रदान किया जायेगा। समिति उपाध्यक्ष लोकेश गर्ग समृद्धि ज्वैलर्स ने कहा कि रक्तदान एक महादान है। जो रक्तदान करते हैं उनका स्वास्थ्य भी ठीक रहता है। रक्तदान कर लोगों को जीवनदान दें। बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने रक्तादान के लिए अपनी- अपनी संख्या अंकित करवाई। कल्याण मंत्र के साथ बैठक का समापन हुआ। इस अवसर पर डॉ० दीपा अग्रवाल, सुभाष सैनी, रजत बाल्मीकि, गंगाधर अरोड़ा, मुकेश शर्मा मीडिया प्रभारी, विशाल रुहेला, प्रदीप अग्रवाल, राजीव कृष्ण, कैलाश चन्द्र अग्रवाल, हरस्वरूप यादव, डॉ०रुचि अग्रवाल, प्रिया बशिष्ठ, रंजन चूनामणि, सीमा यादव, दिनेश कुमार, दीपेश श्रीवास्तव, मयंक प्रताप सिंह, रेखा शर्मा, वृषभान गोस्वामी, मयंक प्रताप सिंह, राजकुमार अग्रवाल, कौशल अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, वन्दना अग्रवाल कान्हा यादव, महेश गोस्वामी, राजेश पचौरी, एवं देवेश कुमार आदि उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता समिति उपाध्यक्ष लोकेश गर्ग समृद्धि ज्वैलर्स ने एवं संचालन महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने किया।

कांग्रेस ने किया नैनीताल के एसएसपी का पुतला दहन

वेलकम इंडिया संवाददाता

बागेश्वर। कांग्रेस ने नैनीताल के एसएसपी समेत पुलिस प्रशासन पर सरकार के इशारों पर काम करने का आरोप लगाया है। नाराज कार्यकताओं ने नैनीताल के एसएसपी का पुतला दहन किया। पुलिस से अपनी कार्यशैली में सुधार लाने को कहा। यदि पुलिस सरकार के इशारों पर काम करेगी तो उनसे लोगों का विश्वास उठ जाएगा। किशन गिरी गोस्वामी के नेतृत्व में कार्यकर्ता बुधवार को एसबीआई तिराहे पर एकत्रित हुए। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि गत दिनों हल्द्वानी में उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे का कार्यक्रम था। कार्यकम में शामिल होने के लिए विभिन्न क्षेत्रों से कार्यकर्ता व शीर्ष नेता पहुंचे थे। लेकिन नैनीताल के एसएसपी मंजूनाथ टीसी के अलावा अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे। पूर्व विधायक ललित फर्स्वाणने अपने सम्बोधन में कहा कि अधिकारी सरकार के इशारों पर नियमविरुद्ध कार्य कर रहे हैं, नैनीताल एसएसपी द्वारा कांग्रेस की रैली में आ रहे वाहनों को जबरन रोकने को उनके पद की प्रतिष्ठा पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए संवेधानिक नियमों के विरुद्ध बताया और ऐसे अधिकारी की भर्तस्ना की।कहा कि सरकारें स्थिर नही होती है, ऐसे अधिकारी जो सत्ता के दलाल का कार्य करते हैं ऐसे अधिकारियों के खिलाफ अवश्य कार्रवाई होगी। कहा कि जिस तरह ही उनके शीर्ष नेताओं के साथ अभद्रता की गई है उसे कतई सहन नहीं किया जाएगा। पुलिस सरकार के इशारे में काम कर रही है। जो लोकतंत्र के खिलाफ है। नाराज कार्यकताओं ने नैनीताल के एसएसपी का पुतला दहन किया।और नारेबाजी करते हुए उनके खिलाफ सब्र करो जो सत्ता के दलाल अधिकारी है, अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं साथ ही बिपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्य कर रहे हैं उनका भी आने वाले समय हिसाब किताब सही किए जाने की बात कही। इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश ऐठानी, बालकृष्ण टम्टा, राजेंद्र टंगड़िया, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष गोकुल परिहार, मुन्ना पांडेय, लक्ष्मी धर्मशक्तू, दिनेश पांडे, विनोद पाठक, नरेंद्र कोरंगा, प्रवीण सिंह, बहादुर सिंह बिष्ट, महेश पंत, ईश्वर पांडे, किशन कठायत, आदि मौजूद रहे।

रास्ते के विवाद को लेकर मारपीट, पथराव और फायरिंग का आरोप

गोवर्धन। थाना गोवर्धन क्षेत्र के जतीपुरा में रास्ते के विवाद को लेकर एक युवक और उसके परिजनों के साथ मारपीट, पथराव और फायरिंग किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने 16 नामजद समेत अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पीड़ित ने घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग होने का भी दावा किया है। जतीपुरा निवासी मुकेश कुमार द्वारा दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि 19 जुलाई को गांठौली पेट्रोल पंप के पास हुए विवाद को लेकर 21 जुलाई को पुष्पेंद्र उर्फ खिल्लू, शेष, राजेंद्र सिंह, गिरवर, वासुदेव उर्फ वंशी, शिवराज, कन्हैया, बिजेंद्र उर्फ बिप्पा, योगेश, विकास, सुमित, संजय, केशव, माधव, सत्तन उर्फ सत्यदेव और सचिन, निवासी जतीपुरा, ने उसे घेर लिया। आरोप है कि जतीपुरा स्थित जाटों की चौपाल पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की।

प्रशिक्षण में मिली जानकारियों को व्यावहारिक रूप से स्कूलों में करें लागू

एफएलएन प्रशिक्षण के चतुर्थ बैच का हुआ समापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा/बलदेव। बीआरसी बलदेव के सभागार में चल रहा पांच दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण के चतुर्थ बैच का समापन हुआ। इस दौरान शिक्षकों को बच्चों की शिक्षा में सुधार और उनके सर्वांगीण विकास पर जोर देने का आह्वान किया गया। प्रशिक्षण का डीसी जिला प्रशिक्षण प्रभारी विक्रांत कुमार ने निरीक्षण किया। उन्होंने प्रशिक्षण कक्ष में पहुंचकर शिक्षकों को दिए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी ली और विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीसी विक्रांत कुमार जिला प्रशिक्षण प्रभारी ने कहा कि हर बच्चा सीख सकता है। उन्होंने शिक्षकों से कहा कि बच्चों को सही दिशा, सही विधि और पूरे मन से मार्गदर्शन देने की आवश्यकता है। उन्होंने प्रशिक्षण में मिली जानकारी को विद्यालयों में व्यवहारिक रूप से लागू करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि निपुण भारत मिशन का मुख्य उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर पढ़ने, लिखने और संख्या ज्ञान की मजबूत नींव प्रदान करना है। प्राथमिक स्तर पर बच्चों की बुनियादी दक्षताएँ मजबूत होने से उनकी आगे की शिक्षा बेहतर ढंग से आगे बढ़ पाएगी। नोडल एआरपी गीता रावत ने टेन प्वाइंट टूल किट, टीएलएम (शिक्षण अधिगम सामग्री), भाषा एवं गणित में बच्चों को निपुण बनाने के लिए अपेक्षित दक्षता हासिल कराने के प्रयासों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि बच्चों में बुनियादी भाषा ज्ञान एवं गणितीय समझ विकसित करना एफएलएन प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य है। इसके लिए शिक्षक कक्षा शिक्षण को अधिक रोचक और गतिविधि आधारित बनाएं। इस अवसर पर एआरपी शुभम आनंद, खुशबू श्रीवास्तव, लोकेश शर्मा, लक्ष्मण पांडेय आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

तिरंगा लेकर सड़कों पर उतरे कार्यकर्ता, भाजपा की 19 मंडलों में एक साथ यात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। भारतीय जनता पार्टी पीलीभीत के तत्वावधान में बुधवार को जिले के सभी 19 मंडलों में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। विभिन्न मंडलों में आयोजित यात्राओं में भाजपा कार्यकताओं के साथ आम जनमानस ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कहीं बाइक रैली तो कहीं पदयात्रा के माध्यम से लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर देशभक्ति का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा के संयोजक एवं जिला महामंत्री मंगली प्रसाद वर्मा ने बताया कि जिले के सभी 19 मंडलों में भव्य तिरंगा यात्राएं संपन्न हुईं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित इन यात्राओं का उद्देश्य राष्ट्रप्रेम और राष्ट्रीय एकता की भावना को जन-जन तक पहुंचाना है। जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य ने बताया कि 13 अगस्त को अपराह्न तीन बजे जिले की तिरंगा बाइक यात्रा निकाली जाएगी। यात्रा का शुभारंभ ड्रमंड राजकीय इंटर कॉलेज से होगा। इसके बाद यात्रा स्टेशन, छतरी चौराहा, सुनगढ़ी थाना, गैस चौराहा, बरेली दरवाजा, जाटों का चौराहा, काला मंदिर और नई बस्ती चौराहा होते हुए रामा इंटर कॉलेज पहुंचकर समाप्त होगी। उन्होंने बताया कि विभिन्न मंडलों की यात्राओं में जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने सहभागिता की। पीलीभीत नगर मंडल में जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, जहानाबाद एवं अमरिया में ब्लॉक प्रमुख निशान सिंह, ललौरीखेड़ा में ब्लॉक प्रमुख अजय सिंह गंगवार तथा बरहा में ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहीं। बरखेड़ा और गजरौला मंडल में जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, न्यूरिया एवं मरौरी में विधायक स्वामी प्रवक्तानंद, पूरनपुर नगर, रामनगर व सुल्तानपुर में विधायक बाबूराम पासवान शामिल हुए। घुंघचिहाई में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर, कलीनगर में ब्लॉक प्रमुख मानसी अपूर्व सिंह, बीसलपुर नगर में चेयरमैन शशि जायसवाल तथा बीसलपुर ग्रामीण, इंटगांव, टिकरी और बिलसंडा मंडल में विधायक विवेक कुमार वर्मा की मौजूदगी रही। भाजपा नेताओं ने कार्यकताओं और आमजन से 13 अगस्त की जिला स्तरीय तिरंगा बाइक यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की।

कीटनाशक दवा के गोदाम पर लगा छापा

वेलकम इंडिया संवाददाता

बरसाना। नंदगांव चौकी क्षेत्र में शराब के ठेके के पीछे स्थित एक गोदाम में कीटनाशक दवा तैयार किए जाने की सूचना पर छापा मारा गया। गुजरात पुलिस के साथ मथुरा के औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक ने बुधवार देर शाम स्थानीय पुलिस की मौजूदगी में गोदाम की जांच की। कार्रवाई देर रात तक जारी रही। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार गोदाम में गुजरात की एक कंपनी के नाम से कीटनाशक दवा तैयार किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद गुजरात पुलिस और मथुरा के औषधि विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने गोदाम में रखी दवा और दवा तैयार करने से संबंधित सामग्री की जांच की। साथ ही दस्तावेज भी खंगाले गए। औषधि निरीक्षक प्रेम पाठक ने बताया कि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि गोदाम में किस तरह की दवा तैयार की जा रही थी। इसके अलावा दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

पूर्व विधायक अनीस अहमद ने सपाइयों के साथ बैठक कर चुनावी रणनीति पर किया मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। नगर के एक बैंक्वेट हॉल में बुधवार दोपहर समाजवादी पार्टी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बीसलपुर के पूर्व विधायक एवं शिक्षक-स्नातक प्रभारी अनीस अहमद उर्फ फूलबाबू ने शिरकत की। उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ आगामी राजनीतिक गतिविधियों और संगठन की तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की। बैठक में विशेष रूप से आगामी बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक विधान परिषद चुनाव को लेकर चुनावी रणनीति पर मंथन किया गया। पूर्व विधायक अनीस अहमद ने कार्यकताओं से चुनाव में पूरी सक्रियता के साथ जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभानी होगी। बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करते हुए मतदाताओं से लगातार संपर्क स्थापित करने पर जोर दिया गया। उन्होंने कार्यकताओं से पार्टी की नीतियों, कार्यक्रमों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। कहा कि आपसी समन्वय और एकजुटता के साथ कार्य करने से संगठन को मजबूती मिलेगी। बैठक में पदाधिकारियों ने भी चुनाव को लेकर कार्यकताओं की जिम्मेदारियां तय करने और क्षेत्र में पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान आगामी कार्यक्रमों, संगठन विस्तार तथा कार्यकताओं के बीच बेहतर तालमेल बनाए रखने को लेकर भी चर्चा हुई। नेताओं ने कहा कि चुनावी तैयारियों में किसी तरह की लापरवाही न बरती जाए और कार्यकर्ता पूरी सक्रियता से क्षेत्र में पार्टी के लिए काम करें। बैठक के दौरान कार्यकताओं ने पूर्व विधायक अनीस अहमद का फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस मौके पर राजकुमार राजू, अशोक राजा समेत बड़ी संख्या में सपा पदाधिकारी, नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक को आगामी शिक्षक विधान परिषद चुनाव की तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तमंचे और कारतूस के साथ आरोपी को दबोचा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पूरनपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर हरिपुर पुलिया के पास घेराबंदी कर एक युवक को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक पकड़े गए आरोपी के खिलाफ पहले से भी मुकदमा दर्ज है।पुलिस के अनुसार, 12 अगस्त 2026 को मुखबिर ने सूचना दी कि एक संदिग्ध व्यक्ति अवैध हथियार लेकर हरिपुर पुलिया के आसपास मौजूद है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना पूरनपुर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और संदिग्ध स्थान की घेराबंदी कर दी। पुलिस ने हरिपुर पुलिया के पास से बद्दल खां पुत्र रफीक खां निवासी ग्राम जादौपुर गहलुईया, थाना पूरनपुर को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद हथियार और कारतूस को कब्जे में लेकर आरोपी के खिलाफ थाना पूरनपुर में मु0अ0सं0 356/2026 के तहत धारा 3/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी की उम्र करीब 35 वर्ष है। जांच के दौरान उसके आपराधिक इतिहास की भी जानकारी सामने आई। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक वर्ष 2018 में उसके खिलाफ थाना पूरनपुर में मु0अ0सं0 738/2018 के तहत धारा 3/8 सीएस एक्ट एवं 11 पशु क्रूरता अधिनियम में मुकदमा दर्ज हुआ था। अब अवैध हथियार बरामद होने के बाद उसके खिलाफ एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। उसे न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में अवैध हथियार रखने और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री से मिलकर गदगद हुए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी फौजी फतेह सिंह

विधायक प्रतिनिधि भाष्कर दास के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से मिला शिष्टमंडल, मुख्यमंत्री ने जल्द सड़क निर्माण का दिया आश्वासन

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। बागेश्वर जिले के बागेश्वर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए क्षेत्रीय विधायक पार्वती दास के प्रतिनिधि और युवा नेता भाष्कर दास के नेतृत्व में खरेही मंडल के भाजपा नेताओं का शिष्टमंडल मुख्यमंत्री से मिलने मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंचे। जहां विधायक प्रतिनिधि भाष्कर दास ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पुष्पगुच्छ और बागेश्वर जिले की प्राकृतिक सौंदर्यता का पोस्टर भैंट किया। विधायक प्रतिनिधि ने विधानसभा क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं का ज्ञापन सौंपकर विकास कार्यो में सहयोग की अपील की। शिष्टमंडल में पालडीछीना क्षेत्र के क्षेपं सदस्य और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी फौजी फतेह सिंह करायत द्वारा सड़क निर्माण को लेकर पूर्व में किए गए आंदोलन के बाद सड़क निर्माण हेतु पालड़ीछीना से जैन करास होते हुए सड़क का निर्माण कनगाड़छीना तक नेशनल हाईवे मार्ग में मिलान कराए जाने, विधानसभा क्षेत्र ऋलंबित मोटर मार्गो को स्वीकृति दिलाने, क्षेत्र में संचार व्यवस्था दुरुस्त करने हेतु मोबाइल टावर लगाए जाने सहित मुख्यमंत्री से विभिन्न धार्मिक मंदिरों के सौंदर्यीकरण हेतु आवश्यक धनराशि स्वीकृत कराने की मांग की।मुख्यमंत्री धामी ने विधानसभा क्षेत्र के विकास में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्व. चंदन राम दास के अधूरे स्वीकृत विकास योजनाओं को जल्द पूर्ण कराने का आश्वासन दिया। वही क्षेत्र के विकास में पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया।वही मुख्यमंत्री धामी ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानी उत्तराधिकारी और पूर्व सैनिक की सड़क निर्माण की मांग पर शीघ्र सड़क निर्माण का शाशनदेश जारी करवाने, और पूर्व सैनिक फौजी फतेह सिंह को क्षेत्रीय जनता के हितों के लिए सँघर्षरत रहते हुए उनके प्रयासों की सराहना की और सैनिक परिवार के लोगों के विकास के लिए हरसंभव शहयोग का भरोसा दिया।वही फौजी फतेह सिंह ने मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए जनहित में सड़क निर्माण को स्वीकृति दिलाने सहित लंबित समस्याओं के समाधान हेतु सहयोग की अपील की।विधायक प्रतिनिधि भाष्कर दास ने मुख्यमंत्री से जल्द जिले का दौरा करने औ़र जनसभा करने की अपील की।जिस पर मुख्यमंत्री ने जल्द जिले के दौरे हेतु समय देने का आश्वासन दिया। शिष्टमंडल में भाजपा नेता मनोज ओली, खरेही मंडल अध्यक्ष घनश्याम राणा, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

उत्तराखंड में 14.20 लाख ग्रामीण परिवारों तक पहुंचा नल से जल: धामी

सीएम धामी ने जल जीवन मिशन की समीक्षा कर दिए सख्त निर्देश, बोले- सफलता सिर्फ कनेक्शन से नहीं, घर-घर शुद्ध और नियमित पानी पहुंचने से होगी

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को सचिवालय में जल जीवन मिशन की प्रगति, वित्तीय स्थिति, पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में ग्रामीण परिवारों तक नल से जल की पहुंच, योजनाओं के सत्यापन, पेयजल की गुणवत्ता, वित्तीय प्रबंधन और निर्माणाधीन योजनाओं की प्रगति समेत कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हर घर जल के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूरा करने और शेष पात्र ग्रामीण परिवारों को निर्धारित समयसीमा में नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री धामी ने स्पष्ट कहा कि जल जीवन मिशन की सफलता केवल नल कनेक्शन की संख्या बढ़ने से नहीं मानी जाएगी, बल्कि इसका वास्तविक मूल्यांकन इस बात से होगा कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार को नियमित, पर्याप्त, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण पेयजल मिल रहा है या नहीं। उन्होंने पूर्ण हो चुकी पेयजल योजनाओं का स्थलीय सत्यापन कराने के भी निर्देश दिए, ताकि कागजों में पूरी दिखाई जा रही योजनाओं की वास्तविक स्थिति सामने आ सके और ग्रामीणों को इसका वास्तविक लाभ मिलना सुनिश्चित हो।

बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि राज्य में जल जीवन मिशन के अंतर्गत कुल 16,555 योजनाएं स्वीकृत एवं संचालित की जा रही हैं। इनमें से 15,540 योजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि 1,015 योजनाएं

अभी प्रगति पर हैं। राज्य में जल जीवन मिशन की औसत प्रगति 92.46 प्रतिशत बताई गई। ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचाने की स्थिति की समीक्षा में बताया गया कि राज्य में कुल 14.48 लाख ग्रामीण परिवारों में से 14.20 लाख परिवारों को नल कनेक्शन उपलब्ध कराया जा चुका है। इस प्रकार बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवारों को पाइपलाइन के माध्यम से पेयजल की सुविधा से जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने शेष पात्र परिवारों को भी शीघ्र नल कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि राज्य के 14,979 गांवों में से 9,796 गांवों में हर नल से जल पहुंचने का सत्यापन पूरा किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सत्यापन की प्रक्रिया को गंभीरता से पूरा किया जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि जिन परिवारों को कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है, वहां वास्तव में नियमित रूप से पानी की आपूर्ति हो रही है। उन्होंने कहा कि केवल पाइपलाइन बिछाने और नल लगाने से योजना का उद्देश्य पूरा नहीं होता। पेयजल की उपलब्धता के साथ उसकी गुणवत्ता, पर्याप्तता और नियमित आपूर्ति भी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने पर विशेष जोर दिया। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन और लंबित पेयजल योजनाओं को मिशन मोड में लेते हुए निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिलाधिकारियों को संबंधित विभागों और कार्यदायी संस्थाओं के साथ समन्वय कर योजनाओं में आने वाली समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने प्रत्येक योजना की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की नियमित समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि योजनाओं में अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। जनपदवार लक्ष्य, समयसीमा और जवाबदेही निर्धारित की जाए। यदि किसी योजना में अनावश्यक देरी पाई जाती है तो संबंधित कार्यदायी संस्था और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए। मुख्यमंत्री ने पर्वतीय क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण भविष्य की पेयजल जरूरतों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसके लिए वर्षा जल संचयन, जल स्रोतों के पुनर्भरण और पारंपरिक जल स्रोतों के संरक्षण की दिशा में प्रभावी कदम उठाए जाएं। उन्होंने प्रत्येक जनपद में विभाग से संबंधित तकनीकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही योजनाओं के संचालन और रखरखाव के लिए स्थानीय एवं मजबूत व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि योजनाओं के पूरा होने के बाद भी ग्रामीणों को लंबे समय तक निर्बाध पेयजल सुविधा मिलती रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होगा दिनांक 12.09.2026 को

संतकबीरनगर (वेलकम इंडिया)। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/सिविल जज सी0डि0 अनन्या साह ने अवगत कराया है कि मा0 राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली द्वारा दिनांक 12.09.2026 दिन शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन होना सुनिश्चित किया गया है, जिसके सम्बन्ध में मा0 जनपद न्यायाधीश द्वारा भी निर्देशित किया गया है। उन्होंने बताया कि दिनांक 12.09.2026 दिन-शनिवार को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायालय परिसर एवं तहसील मेंहदावल, खलीलाबाद, धनघटा एवं अन्य सम्बन्धित विभागों में किया जाना है। उक्त लोक अदालत में ऐसे मामले जो सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकते हैं, भरण पोषण, वैवाहिक मामलों, जिसमें लम्बित एवं प्री-लीटिगेशन मामले भी शामिल हैं, स्थानीय विधियों के अन्तर्गत शमनीय वाद, वन अधिनियम, किरायेदारी, पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत चालान, मोटर यान अधिनियम, मनोरंजन कर अधिनियम, बाट माप प्रचलन अधिनियम, दुकान एवं वाणिज्य अधिनियम, गृहकर, जलकर, राशन कार्ड, बी0पी0एल0 कार्ड, जाति एवं आय प्रमाण पत्र, दाखिल खारिज वाद, मेंडबन्दी सम्बन्धित प्रकरण आदि का भी निपटारा आपसी सुलह समझौते के आधार पर कराया जा सकता है। साथ ही अर्द्धन्यायिक अधिकरणों/फोरमों आदि में लम्बित प्रकरणों का भी निपटारा प्री-लीटिगेशन के माध्यम से कराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मा0 जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा समस्त संबंधित न्यायाधिकारियों, प्रशासनिक अधिकारियों/कार्यालयाध्यक्षों को निर्देशित किया गया है कि अपने-अपने न्यायालय/अधिकरण/कार्यालय में दिनांक 12.09.2026 दिन-द्वितीय शनिवार राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन करें तथा लम्बित मुकदमों/मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में नियत कर यथासंभव अधिक से अधिक निस्तारण करने का प्रयास करें एवं दिनांक 12.09.2026 को निस्तारित मुकदमों की मय सूची संख्या, समय 03:00 बजे तक अपर जिलाधिकारी/नोडल अधिकारी, लोक अदालत के कार्यालय में प्रेषित करना सुनिश्चित करें, जिसमें मा0 नालसा/सालसा को नियमानुसार सूचित कर वेबपोर्टल पर अपलोड किया जा सके।

कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया हो रही असुविधाओं को सीईओ से की मुलाकात

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। एसआईआर प्रक्रिया में आमजन को हो रही असुविधाओं, मतदाता सूची में पारदर्शिता और मतदाता अधिकारों की रक्षा को लेकर माननीय प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तराखंड से मुलाकात की। इस दौरान प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी एवं निष्पक्ष बनाने के लिए आयोग के समक्ष महत्वपूर्ण सुझाव एवं मांगें रखीं।

प्रतिनिधिमंडल ने मतदाता सूची में पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग के समक्ष तीन प्रमुख मांगें रखीं। फॉर्म-7 पर आपत्ति दर्ज करने वाले व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक की जाए और फॉर्म-7 वेबसाइट पर स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराया जाए। आपत्ति की सुनवाई के दौरान एआरओ तत्काल लिखित निर्णय दे तथा वोट बरकरार रखने या हटाने का कारण स्पष्ट किया जाए। साथ ही, बूथवार जिन मतदाताओं के नाम

हटाने पर आपत्तियां आई हैं, उनकी सूची संबंधित राजनीतिक दलों के बीएलए को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही गदरपुर, हरिद्वार ग्रामीण, मंगलौर और रुद्रपुर समेत मैदानी क्षेत्रों से ऐसी शिकायतें अधिक सामने आ रही हैं। कांग्रेस का स्पष्ट मत है कि प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी हो, गलत नाम हटें, लेकिन एक भी योग्य मतदाता का वोट न कटे। प्रतिनिधिमंडल में विधायक, हरिद्वार ग्रामीण श्रीमती अनुपमा रावत जी, सहसंयोजक एसआईआर अमेन्द्र बिष्ट जी, प्रदेश महामंत्री कांग्रेस राजेन्द्र शाह, प्रवक्ता उत्तराखंड कांग्रेस डॉ. प्रतिमा सिंह, प्रदेश महामंत्री एवं एडवोकेट राकेश सिंह नेगी, बीएलए-01 हरिद्वार ग्रामीण तबरेज आलम, सदस्य एसआईआर कमेटी एवं एडवोकेट संदीप चमोली, एडवोकेट विनोद कुमार, एडवोकेट श्रीमती सुरभि शाह, एडवोकेट श्रीमती डिम्पल सिंह, एडवोकेट विपिन नौटियाल एवं सिद्धार्थ पोखरियाल शामिल रहे।

भाजपा ने ब्लाक मुख्यालय से निकाला हर घर तिरंगा यात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। बुद्धवार को भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सेमरियावॉ ब्लाक से इस्लामाबाद चौराहा तक हर घर तिरंगा यात्रा निकाला। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष राम ललित चौधरी ने कहा कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के साथ व्यक्तिगत जुड़ाव और राष्ट्र निर्माण की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है। लोगों के मन में देश के प्रति प्रेम और गर्व की भावना को प्रबल करना है। इस अवसर पर जिला मंत्री अनिल पांडेय, मंडल अध्यक्ष कन्हैया लाल यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष राम पुरुषोत्तम गुप्ता, मंडल महामंत्री शैलेंद्र सिंह, शक्ति केंद्र प्रमुख राम प्रसाद विश्वकर्मा, सुरेंद्र कुमार, शिव शंकर, मेवा लाल, राज कपूर, सोमनाथ, एजाज अहमद, जुबेर अहमद, राजकुमार, गंगाराम आदि लोग शामिल रहे।

तिरंगा यात्रा निकाल ग्रामीणों को किया गया जागरूक, हर घर तिरंगा फहराने की अपील

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। विकासखंड बाबागंज के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय भीख दुबे के पुरवा में बुधवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। ग्राम प्रधान संरक्षक सुनील कुमार द्विवेदी 'पप्पू' के नेतृत्व में निकली यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तिरंगा यात्रा के दौरान बच्चों ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर देशभक्ति के नारे लगाए और ग्रामीणों को हर घर तिरंगा अभियान के प्रति जागरूक किया। बच्चों ने 'भारत की है शान तिरंगा, भारत की है पहचान तिरंगा' जैसे नारों के माध्यम से ग्रामीणों में राष्ट्रप्रेम की भावना जगाई। इस दौरान ग्राम प्रधान संरक्षक सुनील कुमार द्विवेदी 'पप्पू' ने ग्रामीणों से अपने-अपने घरों पर तिरंगा फहराने की अपील करते हुए कहा कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने बच्चों की सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी में देशभक्ति और राष्ट्रीय भावना मजबूत होती है। तिरंगा यात्रा में प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक रविशंकर, उच्च प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक रामखेलावन, संतोष शुक्ला, गणेश पटेल, दिव्या मिश्रा, मास्टर यादव सहित विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

उद्यान योजनाओं की प्रगति की मंत्री गणेश जोशी ने की समीक्षा

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने उद्यान विभाग के प्रदेश एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर वर्ष 2026-27 में संचालित योजनाओं की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की समीक्षा की। बैठक में पॉलीहाउस निर्माण और एप्पल मिशन के क्रियान्वयन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को सेब की अति सघन बागवानी मिशन के तहत चालू वित्तीय वर्ष के बजट का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने तथा सेब उत्पादक किसानों के लंबित भुगतानों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसानों को कीवी, ड्रैगन फ्रूट की खेती और मौनपालन के लिए प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। गणेश जोशी ने पॉलीहाउस निर्माण के निर्धारित लक्ष्यों को समय पर पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य करने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि बुआई से पहले ही आवश्यक सब्जियों एवं अन्य फसलों के बीज किसानों को उपलब्ध करा दिए जाएं, ताकि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि किसान भाई-बहनों का कल्याण एवं उनके हितों की रक्षा सरकार की प्राथमिकता है। किसानों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसएसबी की चम्पावत, अल्मोड़ा एवं रानीखेत वाहिनियों में स्थानीय किसानों की फल-सब्जियों की नियमित आपूर्ति हेतु एमओयू किया

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के कृषि एवं सैनिक कल्याण मंत्री श्री गणेश जोशी ने उत्तराखण्ड औद्यानिक परिषद की 91वीं सामान्य बोर्ड बैठक की अध्यक्षता कर किसानों के हित तथा प्रदेश के औद्यानिक फसलों के उत्पादन व उत्पादकता को बढ़ाने एवं औद्यानिक उत्पादों की मार्केटिंग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक में एसएसबी की चम्पावत, अल्मोड़ा एवं रानीखेत वाहिनियों में स्थानीय किसानों की फल-सब्जियों की नियमित आपूर्ति हेतु एमओयू किया गया। पूर्व में आईटीबीपी के साथ इसी प्रकार का एमओयू किया गया था, जिसके द्वारा अप्रैल 2026 से अब तक 42,757 कि0ग्रा0 स्थानीय फल-सब्जियों की आपूर्ति से किसानों को ₹22.70 लाख की आय हुई है। साथ ही, कृषि एवं औद्यानिक उत्पादों की आधुनिक पैकेजिंग के लिए भारतीय पैकेजिंग संस्थान, मुंबई तथा निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एपीडा के सहयोग से एकीकृत पैक हाउस की स्थापना तथा गुणवत्तायुक्त कीवी पौध सामग्री के उत्पादन एवं गढ़वाल व कुमाऊं में एक-एक हाईटेक नर्सरी की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों को बेहतर बाजार, गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री एवं निर्यात की सुविधाएं उपलब्ध कराकर उत्तराखण्ड के उद्यानिक उत्पादों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने के लिए संकल्पबद्ध है और इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है।

देशभक्ति के रंग में रंगा संतकबीरनगर, सीडीओ के नेतृत्व में निकली भव्य तिरंगा यात्रा

विकास भवन से मौलाना आजाद इंटर कॉलेज तक गूंजा राष्ट्रप्रेम का संदेश, 17 अगस्त तक घर-घर तिरंगा फहराने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभर में चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान के तहत संतकबीरनगर में भी देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। जिलाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी के नेतृत्व में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। विकास भवन परिसर से शुरू हुई यह यात्रा मौलाना आजाद इंटर कॉलेज तक पहुंची। हाथों में तिरंगा लेकर निकले अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्र-छात्राओं ने लोगों को राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना का संदेश दिया। तिरंगा यात्रा में मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी, उपायुक्त एनआरएलएम प्रवीण शुक्ला, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी तथा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। सभी ने हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर यात्रा में सहभागिता की। यात्रा के दौरान वातावरण में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति का उत्साह दिखाई दिया।

यात्रा के दौरान मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी ने जनपदवासियों से हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक 17 अगस्त 2026 तक अपने घर, दुकान, प्रतिष्ठान एवं अन्य स्थानों पर पूरे सम्मान और आदर के साथ भारतीय तिरंगा फहराए। उन्होंने कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज ही नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और स्वतंत्रता का प्रतीक है। इसलिए, इसे फहराते समय राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा और सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाना

चाहिए। उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों और सम्मानित नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं अपने घरों एवं कार्यालयों पर तिरंगा फहराने के साथ-साथ आसपास के लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी से ही हर घर तिरंगा अभियान को जन-जन का अभियान बनाया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य केवल घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना नहीं है, बल्कि नागरिकों में तिरंगे के प्रति व्यक्तिगत और भावनात्मक जुड़ाव पैदा करना भी है। यह अभियान देशप्रेम और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने के साथ-साथ उन अमर बलिदानियों, क्रांतिकारियों और शहीदों को याद करने का अवसर प्रदान करता है, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता का यह पर्व हमें अपने वीर सपूतों के त्याग और संघर्ष को याद करने तथा नई पीढ़ी को उनके योगदान से परिचित कराने का संदेश देता है। तिरंगा यात्रा जैसी गतिविधियों के माध्यम से युवाओं और विद्यार्थियों में भी राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी, सम्मान और गौरव की भावना मजबूत होती है। अभियान के तहत जनभागीदारी बढ़ाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें तिरंगे के साथ सेल्फी, प्रभात फेरी, तिरंगा यात्राएं, तिरंगा प्रदर्शनियां तथा अन्य जमीनी स्तर की गतिविधियां शामिल हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से आम नागरिकों को अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि स्वतंत्रता दिवस का उत्सव केवल सरकारी स्तर तक सीमित न रहकर प्रत्येक परिवार और नागरिक की भागीदारी का पर्व बने। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की कि वे हर घर तिरंगा अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लें और अपने परिवार, पड़ोस तथा समाज के अन्य लोगों को भी राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे जनपद में हर्षोल्लास, उमंग और देशभक्ति की भावना के साथ भव्य रूप से मनाया जाएगा। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि देश के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को याद करने का अवसर भी है। तिरंगा यात्रा के माध्यम से प्रशासन ने जनपदवासियों को स्वतंत्रता दिवस से पहले ही राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया और सभी से अपील की कि वे अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने घरों, दुकानों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मानपूर्वक तिरंगा फहराएं और हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

कुण्डा पुलिस द्वारा ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह के अभियुक्त को किया गिरफ्तार

विहय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ दीपक भूकर के निर्देशन में अपराध एवं अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी/गेमिंग गतिविधियों में संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कुण्डा पुलिस द्वारा थाना कुण्डा पर पंजीकृत ऑनलाइन सट्टेबाजी से संबंधित अभियोग में वांछित 01 अभियुक्त शैलेन्द्र प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से विभिन्न बैंक खातों से संबंधित 09 पासबुक, 04 चेकबुक, 01 आधार कार्ड एवं 03 दफकोड बरामद किए गए हैं। प्रकरण में अग्रिम विधिक कार्यवाही प्रचलित है।

अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने समेत 11 सूत्रीय मांगों को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा गया ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। अधिवक्ताओं के हितों से जुड़ी विभिन्न मांगों को लेकर इंडियन एडवोकेट एसोसिएशन की ओर से बुधवार, 12 अगस्त को जिलाधिकारी वाराणसी को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा गया। इसमें प्रमुख रूप से अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने तथा अधिवक्ता कल्याण निधि में वृद्धि किए जाने की मांग की गई। एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट अरविंद गांधी, उपाध्यक्ष एडवोकेट शशि वर्मा, महामंत्री एडवोकेट राकेश कुमार गुप्ता, प्रबंध समिति सदस्य एडवोकेट ज्ञानेंद्र नाथ शर्मा सहित दर्जनों अधिवक्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से भारत के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, केंद्रीय कानून मंत्री, उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं कानून राज्य मंत्री को संबोधित 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा।

इस दौरान अधिवक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं और समाज को न्याय दिलाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। ऐसे में अधिवक्ताओं की सुरक्षा, सम्मान एवं कल्याण से जुड़ी मांगों पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए। उन्होंने अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम को शीघ्र लागू करने तथा अधिवक्ता कल्याण निधि में उचित वृद्धि किए जाने की मांग की। अधिवक्ताओं ने कहा कि न्यायिक कार्य के दौरान अधिवक्ताओं को कई प्रकार की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए उनके हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कानूनी एवं कल्याणकारी व्यवस्था किया जाना आवश्यक है। उन्होंने सरकार से मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की उम्मीद जताई। एसोसिएशन की ओर से 11 सूत्रीय मांग पत्र की एक प्रति उत्तर प्रदेश बार कौंसिल के सदस्य एवं पूर्व चेयरमैन वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर सिंह को भी सौंपी गई। अधिवक्ताओं ने उम्मीद जताई कि उनकी मांगों को सरकार और संबंधित स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाकर उनके समाधान की दिशा में आवश्यक पहल की जाएगी।

इज्जतनगर मंडल के 660 किमी रेल रूट पर लगेगा कवच 4.0

295 करोड़ रुपये की लागत से होगा काम, भारतीय रेलवे ने दी मंजूरी; रेल संचालन की सुरक्षा होगी और मजबूत

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। भारतीय रेलवे ने पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के 660 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग पर कवच संस्करण 4.0 लगाने की मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर करीब 295 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह कार्य भारतीय रेलवे के शेष रेल खंडों पर लॉन्ग-टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) संचार व्यवस्था के साथ कवच प्रणाली लागू करने से संबंधित व्यापक योजना के तहत स्वीकृत किया गया है।

कवच भारत में स्वदेशी रूप से विकसित ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन (एटीपी) प्रणाली है, जिसे रेल परिचालन के दौरान ट्रेनों की लगातार निगरानी करने और दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। यह प्रणाली विशेष रूप से सिग्नल पार करने के उल्लंघन (एसपीएडी) तथा ट्रेनों के बीच संभावित टक्कर को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। कवच प्रणाली ट्रेन की गति और सिग्नल की स्थिति पर लगातार नजर रखती है। यदि किसी स्थिति में ट्रेन निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप संचालित नहीं होती है तो आवश्यकता पड़ने पर यह प्रणाली स्वचालित रूप से ब्रेक लगाने में सक्षम है। इससे ट्रेन को अधिकतम अनुमेय गति के भीतर सुरक्षित रूप से संचालित करने में मदद मिलती है। कवच के माध्यम से रेल परिचालन की विश्वसनीयता बढ़ाने के साथ-साथ प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों, विशेषकर घने कोहरे के दौरान भी सुरक्षित ट्रेन संचालन में सहायता मिलेगी। इससे यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करने में मदद होगी। स्वीकृत परियोजना के अंतर्गत पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल के शेष रेल खंडों को शामिल किया गया है। 660 किलोमीटर के रूट पर कवच संस्करण 4.0 की व्यवस्था किए जाने से संबंधित रेल मार्गों पर आधुनिक सुरक्षा तकनीक का विस्तार होगा। रेलवे की इस पहल से इज्जतनगर मंडल में सुरक्षा संबंधी बुनियादी ढांचा और मजबूत होगा तथा तकनीक आधारित सुरक्षित रेल संचालन को बढ़ावा मिलेगा।

बारिश के बाद फिर बढ़ा तापमान, उमस और गर्मी ने किया बेहाल

वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। एक दिन की बारिश के बाद मेरठ में बुधवार को फिर तेज धूप और उमस ने लोगों को परेशान किया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दिनों में बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारों की संभावना बनी हुई है। मेरठ समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एक दिन की बारिश के बाद बुधवार सुबह मौसम का मिजाज फिर बदल गया। सुबह तेज धूप निकलने के साथ ही उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान कर दिया। मंगलवार को बारिश के बाद तापमान में गिरावट से लोगों को राहत मिली थी, लेकिन यह राहत ज्यादा देर नहीं टिक सकी। बुधवार को धूप निकलते ही गर्मी और उमस का असर बढ़ गया। दिन चढ़ने के साथ लोगों को चिपचिपी गर्मी का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग के अनुसार गुरूवार को मेरठ में अधिकतम तापमान करीब 33 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान करीब 26 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

ईदगाह की दीवार तोड़ने पर विवाद, मुकदमा दर्ज

कमेटी सचिव की तहरीर पर सलमान, उसकी पत्नी समेत अन्य के खिलाफ कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

किठौर। शाहजहांपुर कस्बे में ईदगाह की दीवार तोड़े जाने को लेकर विवाद हो गया। ईदगाह इंतजामिया कमेटी के सचिव मोहम्मद यूसुफ खां ने पुलिस को तहरीर देकर कुछ लोगों पर ईदगाह की दक्षिणी दीवार तोड़ने, पूर्वी दीवार को क्षतिग्रस्त करने और निर्माण सामग्री व मिस्त्रियों के औजारों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

तहरीर के अनुसार 10 और 11 अगस्त की मध्यरात्रि सलमान पुत्र उमर दराज, उसकी पत्नी तरन्नुम और अन्य लोगों पर ईदगाह की दक्षिणी दीवार तोड़ने का आरोप है। पूर्वी दीवार को भी कई स्थानों से क्षतिग्रस्त किए जाने की बात कही गई है। शिकायत में करीब 10 सीमेंट के कट्टे और मिस्त्रियों के औजारों को नुकसान पहुंचाने का भी आरोप लगाया गया है।

मिस्त्रियों ने दी सूचना

बताया गया कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे निर्माण कार्य में लगे मिस्त्री मौके पर पहुंचे तो दीवार टूटी मिली। उन्होंने इसकी सूचना कमेटी सचिव को फोन पर दी। कमेटी का आरोप है कि पहले भी निर्माण कार्य को लेकर संबंधित लोगों की ओर से धमकी दी गई थी। शिकायत के मुताबिक घटना की जानकारी मिलने पर अयाज खां मौके पर पहुंचे और कथित रूप से तोड़फोड़ कर रहे लोगों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान विवाद बढ़ गया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली।

पहले भी शिकायत किए जाने का दावा

कमेटी के अनुसार ईदगाह की दीवार का निर्माण 24 और 25 मई को कराया गया था। आरोप है कि उस दौरान भी मिस्त्रियों को डराने-धमकाने और निमार्णाधीन दीवार को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया था। इस संबंध में 27 मई को पुलिस को शिकायत देने की बात कही गई है। किठौर थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भेलसर में नवनिर्मित रजिस्ट्री भवन का विधायक रामचंद्र यादव ने किया उद्घाटन

वेलकम इंडिया/फतेह खान

रुदौली/अयोध्या। भेलसर शुजागंज मुख्यमार्ग पर नवनिर्मित रजिस्ट्री भवन का क्षेत्रीय विधायक रामचंद्र यादव ने बुधवार को उद्घाटन कर क्षेत्रवासियों को समर्पित किया। श्री विधायक ने परिसर में पौधरोपण कर भवन का निरीक्षण भी किया। नए भवन के शुरू होने से क्षेत्रवासियों को भूमि-संपत्ति पंजीकरण की स्थानीय स्तर पर सुविधाएं मिलेगी। और अब दूर जाने की परेशानी से लोगों को राहत भी मिलेगी। उद्घाटन के दौरान एसडीएम रुदौली विनोद कुमार गुप्ता सहित अन्य अधिकारी गण एवं कर्मचारी गण मौजूद रहे।

महिला समूहों की लोन किश्त में गबन के आरोपित शिवम सिंह को कोर्ट से जमानत

जिला जज की अदालत ने 50-50 हजार रुपये की दो जमानतों एवं बंधपत्र पर रिहाई का दिया आदेश

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। महिला समूहों से लोन की किश्त के नाम पर लाखों रुपये की राशि लेकर उसे संबंधित ऋण खातों में जमा करने के बजाय गबन करने के मामले में आरोपित शिवम सिंह को अदालत से राहत मिल गई। जिला जज संजीव शुक्ला की अदालत ने करमा, सोनभद्र निवासी आरोपित शिवम सिंह को 50-50 हजार रुपये की दो जमानतें एवं बंधपत्र प्रस्तुत करने पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत में बचाव पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनुज यादव एवं चंद्रबली पटेल ने पक्ष रखा। अभियोजन पक्ष के अनुसार स्पंदना स्फूर्ति फाइनेंशियल लिमिटेड कंपनी की चौबेपुर शाखा के प्रबंधक रोहित कुमार ने चौबेपुर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। कंपनी भारतीय रिजर्व बैंक के तहत पंजीकृत है और ग्रामीण महिलाओं को समूह के माध्यम से छोटे-छोटे व्यवसाय करने के लिए ऋण उपलब्ध कराती है। इन ऋणों की साप्ताहिक किश्त के अनुसार राशि का कलेक्शन किया जाता है। महिला ग्राहकों की ओर से शिकायतें मिलने के बाद कंपनी स्तर पर मामले की जांच की गई। जांच में आरोप सामने आया कि चौबेपुर शाखा में कार्यरत दो कर्मचारियों राहुल कुमार यादव और शिवम सिंह द्वारा महिला ग्राहकों से कंपनी के नियमों के विपरीत तरीके से राशि का कलेक्शन किया जा रहा था। आरोप है कि दोनों कर्मचारियों ने महिलाओं को बहला-फुसलाकर उनसे लोन की किश्त की रकम ली और उसका पूरा भुगतान संबंधित खातों में नहीं किया।

अभियोजन के अनुसार चौबेपुर शाखा में ऋण अधिकारी के पद पर कार्यरत राहुल कुमार यादव पर 1,27,665 रुपये के गबन का आरोप है। इसमें से 20,760 रुपये महिला समूह के लोन खाते में जमा किए गए, जबकि शेष 1,06,905 रुपये का गबन किए जाने का आरोप है। इसी प्रकार ऋण अधिकारी के पद पर कार्यरत शिवम सिंह पर 3,83,637 रुपये की राशि के अनुचित कलेक्शन का आरोप लगाया गया। इसमें से 1,88,960 रुपये महिला समूह के लोन खातों में जमा किए गए, जबकि शेष 1,94,677 रुपये का गबन किए जाने का आरोप है। इस प्रकार दोनों कर्मचारियों द्वारा महिला समूहों की लोन किश्त की कुल 3,01,565 रुपये की राशि के गबन का आरोप लगाया गया है।

75 फीट लंबे तिरंगे के साथ निकली भव्य तिरंगा यात्रा

वेलकम इंडिया/संदीप तिवारी

वाराणसी/मिजार्मुराद। चोलापुर बाजार स्थित शहीद स्मारक तक विद्यालय परिसर से बुधवार को भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। देशभक्ति के उत्साह और उमंग से सराबोर इस यात्रा में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। विद्यार्थी हाथों में 75 फीट लंबा विशाल तिरंगा लेकर मार्च पास्ट करते हुए आगे बढ़ रहे थे। इस दौरान विद्यार्थियों ने देशभक्ति के जयघोष से पूरे वातावरण को राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत कर दिया।तिरंगा यात्रा में विद्यालय के विद्यार्थियों की अनुशासित और उत्साहपूर्ण भागीदारी आकर्षण का प्रमुख केंद्र रही। यात्रा के दौरान विद्यार्थियों ने देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। विद्यालय परिसर से शुरू हुई यह यात्रा चोलापुर बाजार स्थित शहीद स्मारक तक पहुंची, जहां विद्यार्थियों एवं उपस्थित लोगों ने शहीदों को श्रद्धापूर्वक नमन किया।इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों के उत्साह, अनुशासन और देशभक्ति की भावना की सराहना की। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भी सक्रिय रूप से सहभागिता की। विशेष रूप से हेडमिस्ट्रेस रिचा मिश्रा, कोऑर्डिनेटर राहुल पांडे, असेंबली इंचार्ज सीमा सिंह सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।विद्यालय के प्रधानाचार्य संतोष कुमार सिंह ने तिरंगा यात्रा में सहभागिता करने वाले सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं गणमान्य अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में देशप्रेम, अनुशासन, एकता और राष्ट्रीय भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने सभी से राष्ट्रहित में अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने और देश की प्रगति में योगदान देने का आह्वान किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति के उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ।

सानवी मल्टीस्पेशलिटी व सूर्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में 150 बच्चों का स्वर्ण प्राशन

डॉ. एसके तिवारी व डॉ. शर्मिला तिवारी ने बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर अभिभावकों को दिए जरूरी सुझाव

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। मढ़ौली-मंडुआडीह रोड स्थित सानवी मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं महमूरगंज स्थित सूर्या चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में स्वर्ण प्राशन शिविर का आयोजन किया गया। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके तिवारी एवं सर्जन व स्वर्ण प्राशन विशेषज्ञ डॉ. शर्मिला तिवारी के नेतृत्व में आयोजित शिविर में दोनों अस्पतालों को मिलाकर करीब 150 बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया गया। इस दौरान बच्चों की निशुल्क स्वास्थ्य जांच भी की गई।

शिविर में चिकित्सकों ने अभिभावकों से व्यक्तिगत बातचीत कर बच्चों के स्वास्थ्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। डॉ. एसके तिवारी ने स्वर्ण प्राशन के लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि इसे बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता, बुद्धि एवं एकाग्रता के विकास में सहायक माना जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों में बोलने में देरी, ऑटिज्म एवं डिस्लेक्सिया जैसी विकास संबंधी समस्याओं की स्थिति में समय पर स्वास्थ्य जांच और विशेषज्ञ चिकित्सक की सलाह जरूरी है। डॉ. एसके तिवारी ने कहा कि बच्चों की भूख, सीखने की क्षमता, ध्यान और एकाग्रता को बेहतर बनाए रखने के लिए संतुलित खान-पान, पर्याप्त नींद और नियमित स्वास्थ्य जांच बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने डेंगू, कोविड, फ्लू और मस्तिष्क ज्वर जैसी बीमारियों से बचाव के लिए बच्चों के स्वास्थ्य एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी। बार-बार होने वाले सीने के संक्रमण, एलर्जी और अस्थमा जैसी समस्याओं को लेकर भी अभिभावकों को सतर्क रहने को कहा गया। शिविर के दौरान बच्चों की स्वास्थ्य जांच कर उनकी जरूरत के अनुसार अभिभावकों को उचित सुझाव दिए गए। वहीं डॉ. शर्मिला तिवारी ने बच्चों का स्क्रीन टाइम कम करने की सलाह देते हुए कहा कि मोबाइल, टीवी और अन्य डिजिटल उपकरणों के अत्यधिक इस्तेमाल को सीमित करना जरूरी है। बच्चों को खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियों और परिवार के साथ पर्याप्त समय बिताने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के दौरान चिकित्सकों ने बढ़ती गर्मी और उससे होने वाली स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों को लेकर भी अभिभावकों को जागरूक किया। बच्चों को तेज धूप से बचाने, पर्याप्त पानी एवं तरल पदार्थ देने और संतुलित आहार उपलब्ध कराने की सलाह दी गई। चिकित्सकों ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य में किसी भी प्रकार का असामान्य बदलाव दिखाई देने पर स्वयं उपचार करने के बजाय योग्य विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। शिविर के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों के बेहतर शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर दोनों अस्पतालों की मेडिकल टीम, चिकित्सक, स्टाफ एवं बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावक मौजूद रहे।

सीआरपीएफ 95वीं बटालियन ने निकाली तिरंगा बाइक रैली

वेलकम इंडिया संवाददाता

वाराणसी। 80वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा, घर-घर तिरंगा अभियान के तहत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 95वीं बटालियन की ओर से भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन किया गया। कमांडेंट राजेश्वर एस. बालापुरकर के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में आयोजित रैली में बटालियन के अधिकारी, जवानों के साथ स्कूल के छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय लोगों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कमांडेंट राजेश्वर एस. बालापुरकर ने तिरंगा बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में बटालियन के 150 से अधिक अधिकारी एवं जवान शामिल हुए। हाथों में राष्ट्रीय ध्वज लेकर जवानों का काफिला पहड़िया मंडी तिराहे से होते हुए सारनाथ म्यूजियम पहुंचा। पूरे मार्ग में तिरंगे के साथ निकली बाइक रैली ने लोगों में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। सारनाथ म्यूजियम के पास पहुंचने के बाद बटालियन के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों ने सामूहिक रूप से वंदेमातरम गीत का गायन किया। इस दौरान देशभक्ति का माहौल देखने को मिला। बटालियन की ओर से स्थानीय लोगों के बीच तिरंगा झंडे का वितरण भी किया गया और उन्हें हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसके बाद तिरंगा बाइक रैली आशापुर चौराहे से होते हुए वापस 95वीं बटालियन मुख्यालय पहुंची। आयोजन के माध्यम से सीआरपीएफ जवानों ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नागरिकों में राष्ट्रप्रेम, एकता और राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। तिरंगा बाइक रैली में 95वीं बटालियन के कमांडेंट राजेश्वर एस. बालापुरकर, द्वितीय कमान अधिकारी राजेश कुमार एवं आलोक कुमार, उप कमांडेंट नवनीत कुमार एवं वीरेंद्र सिंह, चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवि प्रकाश, सहायक कमांडेंट अभिषेक कुमार एवं पंकज कुमार, इंस्पेक्टर प्रिंस सिंह, विवेक चंद्र राय, अनिल कुमार, प्रवीण सिंह सहित बटालियन के बड़ी संख्या में अधिकारी एवं जवान मौजूद रहे। रैली के दौरान जवानों ने तिरंगे के प्रति सम्मान और देश के प्रति समर्पण की भावना का संदेश देते हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह को राष्ट्रभक्ति के उत्साह के साथ मनाने का आह्वान किया।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया से मिले सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान

मोदीनगर में सुपर स्पेशियलिटी ट्रॉमा सेंटर की उठाई मांग

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर। मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। बागपत-मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात की। इस दौरान सांसद ने मोदीनगर स्थित राज्य सरकार के अधीन संचालित ईएसआईएस अस्पताल को ईएसआईसी के अधीन लेकर ह्लइंटीग्रेटेड ट्रॉमा एंड इमरजेंसी केयर सेंटरह्व के रूप में विकसित करने की मांग रखी। उन्होंने इस संबंध में केंद्रीय मंत्री को पत्र भी सौंपा और पूर्व में उठाए गए इस मुद्दे पर जल्द कार्रवाई का अनुरोध किया।

सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि मोदीनगर और आसपास का क्षेत्र बड़ा औद्योगिक क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में श्रमिक और कर्मचारी काम करते हैं। क्षेत्र में आधुनिक इमरजेंसी, ट्रॉमा और क्रिटिकल केयर सेवाओं से युक्त केंद्र विकसित होने से औद्योगिक दुर्घटनाओं के साथ सड़क हादसों में घायल लोगों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।

नोएडा-दिल्ली के विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं लेने का सुझाव- मुलाकात के दौरान सांसद ने प्रस्तावित सेंटर के संचालन को लेकर भी सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि शुरूआती चरण में सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के लिए ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल नोएडा तथा दिल्ली और साहिबाबाद स्थित ईएसआईसी चिकित्सा संस्थानों से आवश्यकता के अनुसार सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की सेवाएं ली जा सकती हैं। इससे अतिरिक्त मानव संसाधन और वित्तीय भार को सीमित रखते हुए सेंटर की सेवाएं शुरू की जा सकेंगी।-श्रमिकों तक पहुंचें ईएसआईसी की योजनाएं-

डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय मंत्री के सामने ईएसआईसी की चिकित्सा एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की जानकारी श्रमिकों तक पहुंचाने का मुद्दा भी रखा। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्रों में ईएसआईसी के रीजनल डायरेक्टर, ब्रांच मैनेजर, एस एस ओ और अन्य अधिकारियों के माध्यम से नियमित जन-जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम आयोजित कराने का सुझाव दिया।

सांसद ने कहा कि जिन औद्योगिक क्षेत्रों में ईएसआईसी की योजनाओं को लेकर जागरूकता कम है, वहां विशेष अभियान चलाए जाने चाहिए। इस व्यवस्था को देश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों तक विस्तारित करने से ज्यादा श्रमिकों और नियोजकों को ईएसआईसी की योजनाओं से जोड़ा जा सकेगा। आयुष्मान भारत और एनएचएआई से जोड़ने का भी प्रस्ताव- सांसद ने प्रस्तावित ईएसआईसी आई टी ई सीसी को आवश्यकता के अनुसार आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और एनएचएआई के साथ समन्वित करने का सुझाव भी केंद्रीय मंत्री के सामने रखा।

इससे सड़क दुर्घटनाओं और दूसरी आपात परिस्थितियों में आम नागरिकों को भी समय पर गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जा सकेगी।

डॉ. राजकुमार सांगवान ने केंद्रीय मंत्री से इस प्रस्ताव पर सकारात्मक विचार कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया। सांसद ने कहा कि मोदीनगर में अत्याधुनिक ट्रॉमा एवं इमरजेंसी केयर सेंटर विकसित होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के औद्योगिक श्रमिकों के साथ आसपास के आम नागरिकों को भी बड़ी चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी।

कांवड़ सेवा शिविर पूजा अर्चना एवं भंडारे के साथ संपन्न

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दिल्ली मेरठ मुख्य मार्ग पर तेल मिल के निकट कांता स्टेटस प्राइवेट लिमिटेड की ओर से लगाये गए द्वितीय कांवड़ सेवा शिविर का समापन पूजा अर्चना और विशाल भंडारे के साथ किया गया।

कांवड़ शिविर के समापन पर आयोजकों ने कन्याओं को भोजन कराया तथा उसके बाद भंडारे का आयोजन किया गया।

शिविर के आयोजक गौरव शर्मा व सौरभ शर्मा ने बताया कि भगवान भोले शंकर की कृपा से उन्हें शिव कावड़ शिविर लगाने की प्रेरणा मिली।

जो भगवान भोले बाबा को सच्चे मन से याद करता है भोले बाबा उसे पर कृपा करते हैं। शिविर को सफल बनाने में अशोक शर्मा, पंडित पवन शर्मा, सभासद श्रीमती सुमन, सभासद पति सूबे सिंह, वीर सिंह, राजेश शर्मा, संजय गुप्ता, राहुल शर्मा, नीतीश बंसल, आलोक त्यागी, अंकुर शर्मा, निखिल त्यागी, शेखर कुमार आदि का सहयोग रहा।

राज्य कर विभाग द्वारा व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। राज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित व्यापारी संवाद कार्यक्रम के अन्तर्गत अपर आयुक्त, ग्रेड-1, राज्य कर, सम्भाग-ए, गाजियाबाद एवं संयुक्त आयुक्त (कार्य0), राज्य कर, सम्भाग - ए, गाजियाबाद द्वारा प्रेषित निदेशो के क्रम मे गाजियाबाद जोन प्रथम के क्षेत्राधिकार मे आने वाले खण्डो मण्डल कार्यालय राज्य कर, मोदीनगर एवं खण्ड - 6, राज्य कर, मुरादनगर, गाजियाबाद के संयुक्त तत्वाधान मे स्थानीय रेस्टोरेंट मे खण्डो मे तैनात अधिकारियो द्वारा मोदीनगर एवं मुरादनगर मे पंजीकृत विभिन्न दवा व्यापारियो के साथ आज दिनांक 12-08-2026 को अपराहन तीन बजे से व्यापारी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम मे मोदीनगर एवं मुरादनगर के विभिन्न दवा व्यापारियो, व्यापारिक संगठनो/समूहो द्वारा प्रतिभाग किया गया। व्यापारियो एवं व्यापारिक संगठनो/समूहो द्वारा अधिकारियो के समक्ष विभिन्न प्रकार की समस्याओ की चर्चा की गयी जिसमे विभाग के अधिकारियो द्वारा समस्याओ का त्वरित निस्तारण कराया गया एवं नए मुद्दो को उच्चाधिकारियो को प्रेषित करने का आश्वासन दिया गया। चर्चित मुद्दो मे मुख्यतः धारा 46 के नोटिस (ओटो जनरेटड) मे से डिफाल्टर शब्द हटाए जाने, सचल दल इकाईयो द्वारा तकनीकी त्रुटि के आधार पर वाहन न रोके जाने, जीएसटी मे नोटिस की मैनुअल तामीली की व्यवस्था किए जाने एवं विलम्ब से रिटर्न दाखिल करने पर विलम्ब शुल्क व ब्याज जमा किए जाने के कारण धारा 125 के अन्तर्गत अर्थदण्ड आरोपित न किए जाने तथा ऐसी फर्मो जिनका पंजीयन दो से तीन वर्ष बाद जांच के आधार पर निरस्त किया गया है, आईटीसी अनुमन्य किए जाने सम्बंधी बिन्दु शामिल रहे। कार्यक्रम मे मुख्य रूप से राज्य कर विभाग से अनिल कुमार, उपायुक्त, राज्य कर मोदीनगर, श्रीमति शुभी तिवारी, उपायुक्त, राज्य कर खण्ड 6, गाजियाबाद, आशीष मिश्रा, सहायक आयुक्त, राज्य कर मोदीनगर, सुश्री दीपिका कमल, सहायक आयुक्त, राज्य कर खण्ड 6, गाजियाबाद, संदीप कुमार सत्यार्थी, राज्य कर अधिकारी, मोदीनगर, सतीश चन्द्रा, राज्य कर अधिकारी, खण्ड 6, गाजियाबाद, श्री हरि शंकर शिवहरे, राज्य कर अधिकारी, पंजीयन प्रकोष्ठ, मोदीनगर, श्री नितिन शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी, एड0 अजय माहेश्वरी, एड0 अरूण राघव, एड0 विपिन सिंघल, एड0 धीरज गोयल, एड0 आरिफ बेग, एड0 आलोक गुप्ता, एड0 अवधेश शर्मा, सीए अमित माहेश्वरी, एड0 उपेन्द्र शर्मा, मनोज पाल, अमित बंसल, अविनाश शर्मा, गौरव तोमर, दीपक गुप्ता, राजू, रिन्कु चोधरी, शुभम अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, देवेन्द्र गुप्ता, विक्रान्त शर्मा, सहित दर्जनो अधिवक्ता व व्यापारी शामिल रहे।

जय भगवान त्यागी पुनः उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद जनपद गाजियाबाद के अध्यक्ष चुने गए

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद जनपद गाजियाबाद की एक आवश्यक बैठक में सर्वसम्मति से जय भगवान त्यागी को पुनः अध्यक्ष, डॉ० सतीश अग्रवाल को उपाध्यक्ष, के.वी.सिंह को महामंत्री और अमन सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक की अध्यक्षता उ०प्र०प्रधानाचार्य परिषद के जनपद अध्यक्ष जय भगवान त्यागी ने की। बैठक में अनेक प्रधानाचार्य उपस्थित हुए। उत्तर प्रदेश प्रधानाचार्य परिषद उत्तर प्रदेश के प्रांतीय महामंत्री आदरणीय डा०सुखपाल सिंह तोमर भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। बैठक में प्रधानाचार्य साथियों की समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा उनके लिए प्रांतीय महामंत्री डा० सुखपाल सिंह तोमर जी ने विभाग के उच्च अधिकारियों तथा शासन के संज्ञान में लाने का आश्वासन दिया। बैठक में इस वर्ष प्रधानाचार्य पद का कार्यभार ग्रहण करने वाले नए साथियों का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इसके उपरांत समस्त उपस्थित साथियों के सुझाव पर जनपद गाजियाबाद की प्रधानाचार्य परिषद का नवीन गठन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से जय भगवान त्यागी को पुनः अध्यक्ष, डॉ० सतीश अग्रवाल को उपाध्यक्ष, के.वी.सिंह को महामंत्री और अमन सिंह को कोषाध्यक्ष चुना गया। बैठक में निर्वाचित सभी पदाधिकारियों ने साथियों की समस्याओं को पूरी संवेदनशीलता से उठाने का आश्वासन दिया। बैठक का संचालन जनपद के महामंत्री के०वी० सिंह ने किया।

मोदी कॉलेज में हर घर तिरंगा अभियान 2026 और नशा मुक्ति जागरूकता अभियान पर एक बैठक का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉक्टर के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर गाजियाबाद में विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें हर घर तिरंगा अभियान 2026 और नशा मुक्ति जागरूकता अभियान पर विस्तृत रूप से चर्चा हुई।

विद्यालय के सभी कक्षाओं के ग्रुपों पर प्रत्येक छात्र को अपने-अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया गया। प्रधानाचार्य ने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान 13 अगस्त से 17 अगस्त तक विद्यालय में भव्य रूप से मनाया जाएगा। इसी प्रकार छात्रों के माध्यम से समाज में युवाओं को स्वस्थ अनुशासित एवं उद्देश्य पूर्ण जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया गया।सभी छात्रों, युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन नशीली आदतों तथा अन्य व्यवहारगत व्यसनों जैसे तकनीक एवं सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग के दुरुपयोग के प्रति जागरूक भी बनाना है।

नशा मुक्त समाज के निर्माण हेतु सामूहिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने पर बल दिया गया। नशा मुक्ति जागरूकता अभियान के अंतर्गत छात्रों के मध्य निबंध प्रतियोगिता,क्विज ,नाटक भाषण प्रतियोगिता,पोस्टर प्रतियोगिता स्लोगन पेंटिंग आदि के माध्यम से समाज में जागरूकता कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाएगा जिससे समाज में व्याप्त इस भयंकर बुराई को दूर किया जा सके और राष्ट्र में स्वस्थ समाज और भारत को विकसित राष्ट्र बनाया जा सके। युवाओं में मादक पदार्थ के सेवन को हतोत्साहित करें।विकसित भारत के सपने देश के समाजिक ,शारीरिक और आर्थिक विकास के लिए नागरिकों को जागरूक करना एक गंभीर चुनौती है यह गंभीर चुनौती का कार्य समाज को जागरूक करके ही किया जा सकता है,। नशे को कहें ना, जिंदगी को कहें हां। हम सब का एक ही नारा नशा मुक्त हो जीवन हमारा आदि नारे छात्रों के बीच लगाने के लिए संकल्प लिया गया।

एमएलसी दिनेश गोयल द्वारा आयोजित चार दिवसीय भंडारे एवं सेवा का हुआ समापन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। बागपत पुरा परशुरामेश्वर महादेव मंदिर के सामने स्थित आर के जी धर्मशाला में 8 से 11 अगस्त तक चले चार दिवसीय भंडारे एवं सेवा का विधिवत समापन हुआ। विधायक दिनेश कुमार गोयल ने भंडारे को सफल बनाने में सहयोग देने वाले समस्त स्टाफ, हलवाई भाइयों, भोजन परोसने वाले सेवाभावी साथियों, सफाई कर्मचारियों, नगर पंचायत दोघट के कर्मचारीगण, आर के जी स्टाफ एवं परिवारजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बागपत जिलाधिकारी अस्मिता लाल , पुलिस अधीक्षक, सूरज कुमार राय, जिला प्रशासन, पुरा महादेव मंदिर समिति एवं समस्त स्टाफ, अधिकारीगण तथा समाज के सम्मानित सामाजिक व्यक्तियों का भी सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए धन्यवाद किया। समापन अवसर पर हलवाई, सफाई कर्मचारी एवं भोजन परोसने वाले सेवाभावी साथियों का पुष्पवर्षा कर सम्मान किया गया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं समर्पण से कांवड़ियों और शिवभक्तों की सेवा का यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कांवड़ महोत्सव के बाद तिरंगे की तैयारी में जुटा निगम, पांच लाख घरों तक पहुंचेगा राष्ट्रीय ध्वज

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। कांवड़ यात्रा महोत्सव के सफल समापन के बाद अब नगर निगम ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को भव्य रूप देने की तैयारी तेज कर दी है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर शहर के प्रत्येक घर तक राष्ट्रीय ध्वज पहुंचाने का अभियान चलाया जा रहा है। नगर निगम की ओर से करीब पांच लाख तिरंगा झंडों का वितरण किया जा रहा है। इसके लिए सभी जोनों में जोनल प्रभारियों की ड्यूटी लगाई गई है और पार्षदों का भी सहयोग लिया जा रहा है। नगर निगम का लक्ष्य स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पूरे शहर को तिरंगे के रंग में रंगना है। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार हर घर तिरंगा अभियान को व्यवस्थित तरीके से संचालित करने के लिए सभी जोन में जोनल प्रभारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जोनल प्रभारी पार्षदों तक तिरंगा झंडे पहुंचा रहे हैं, जिसके बाद पार्षदों के सहयोग से इन्हें शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में घरों तक पहुंचाया जा रहा है। नगर निगम का प्रयास है कि अभियान के तहत कोई भी घर तिरंगे से अछूता न रहे। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि जनप्रतिनिधियों और पार्षदों के सहयोग से अभियान को गति दी जा रही है। शहर के अधिकांश घरों तक तिरंगा पहुंचाया जा चुका है, जबकि शेष घरों में भी झंडे पहुंचाने का काम तेजी से जारी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि देश की एकता, अखंडता, गौरव और स्वतंत्रता का प्रतीक है। इसलिए हर घर तक तिरंगा पहुंचाने के अभियान को पूरी गंभीरता से संचालित किया जा रहा है। नगर निगम की ओर से लगभग पांच लाख तिरंगा झंडों का वितरण किया जा रहा है। इसके लिए निगम स्तर पर आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी की जा रही हैं। जोनल प्रभारियों को क्षेत्रवार जिम्मेदारी देकर अभियान की प्रगति पर नजर रखी जा रही है। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार लगातार अभियान की निगरानी कर रहे हैं और अधिकारियों से वितरण की स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। नगर निगम अधिकारियों का कहना है कि कांवड़ यात्रा के दौरान जिस तरह निगम की टीमों ने विभिन्न व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संभाला, उसी उत्साह के साथ अब हर घर तिरंगा अभियान को भी सफल बनाने पर जोर दिया जा रहा है। पार्षदों और निगम कर्मचारियों के बीच बेहतर समन्वय बनाकर तिरंगा वितरण का कार्य पूरा कराया जा रहा है। शहर के प्रमुख इलाकों के साथ ही आवासीय क्षेत्रों में भी अभियान को व्यापक स्तर पर पहुंचाया जा रहा है। नगर निगम की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम की भी तैयारी की जा रही है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि 15 अगस्त को 80 फीट का राष्ट्रीय ध्वज लेकर भव्य तिरंगा रैली निकाली जाएगी। रैली का शुभारंभ गाजियाबाद नगर निगम परिसर से किया जाएगा। इसके बाद रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नवयुग मार्केट सहित निर्धारित स्थलों तक पहुंचेगी।

हरिद्वार से 22 घंटे 30 मिनट में गंगा जल लेकर आए युवक का किया गया सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। निकटवर्ती गांव सीकरी कला निवासी सुंदर पाल शर्मा के सुपुत्र कुंज शर्मा ऊर्फ छोटू ने हरिद्वार से सीकरी कलां तक 22 घंटे 30 मिनट में कावड़ गंगा जल लाकर नया रिकॉर्ड कायम किया है। सभासद पीतम सैनी एवं गांव के लोगों ने युवक को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। कुंज शर्मा ऊर्फ छोटू ने बताया कि वह भगवान भोले बाबा की कृपा से से ही अपनी यात्रा काफी कम समय में पूर्ण की है। उन्होंने कहा कि जो सच्चे मन से भगवान शिव की आराधना करता है भगवान उस पर कृपा करते हैं।

बिजली कनेक्शन के लिए महिला आवेदक को एक माह से दौड़ाने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। राजनगर एक्सटेंशन स्थित विद्युत वितरण कार्यालय के अंतर्गत ग्राम मोरटी की गली नंबर-4 में घरेलू बिजली कनेक्शन को लेकर एक महिला आवेदक ने विद्युत विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला आवेदक वर्षा का कहना है कि वह जून 2026 से तीन किलोवाट के घरेलू विद्युत कनेक्शन के लिए प्रयास कर रही हैं, लेकिन अब तक कनेक्शन नहीं मिल सका है। उनका आरोप है कि उनके मकान के आसपास बिजली के कनेक्शन संचालित होने के बावजूद उनसे 32,175 रुपये का आपूर्ति सुविधा शुल्क जमा कराने का अनुमान थमा दिया गया। महिला आवेदक के अनुसार उनके मकान से करीब 14 फीट की दूरी पर तथा सामने वाले मकान में घरेलू बिजली कनेक्शन पहले से संचालित हैं। गली में करीब 15 सक्रिय विद्युत कनेक्शन भी हैं। उनका कहना है कि चालू विद्युत पोल करीब 40 मीटर की दूरी पर है और दोनों ओर 100 मीटर के दायरे में ट्रांसफार्मर भी लगे हुए हैं। इसके बावजूद स्थानीय विद्युत कार्यालय की ओर से आपूर्ति सुविधा शुल्क का अनुमान लगाया गया। आवेदक का यह भी दावा है कि इसी तरह की परिस्थितियों वाले अटौर रोड स्थित पीर के पास क्षेत्र में करीब एक किलोमीटर की दूरी पर तीन किलोवाट का घरेलू कनेक्शन बिना आधारभूत ढांचा शुल्क के जारी किया गया है।

फैक्ट्री में आग से मचा हड़कंप, दमकल की मुस्तैदी से टला बड़ा हादसा

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। पाण्डव नगर इंडस्ट्रियल एरिया स्थित प्राइड इंटरप्राइजेज की फैक्ट्री में बुधवार सुबह अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना फायर स्टेशन कोतवाली को सुबह 8:01 बजे मिली। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वाटर ब्राउजर, वाटर टेंडर समेत अन्य फायर टेंडरों को घटनास्थल के लिए रवाना किया।

मौके पर पहुंची दमकल टीम ने देखा कि फैक्ट्री की प्रथम मंजिल के ऊपर बनी टीन शेड आग के कारण क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर गई थी। प्रथम तल पर पाउचिंग मशीन, झाड़ू के कवर और अन्य सामान में आग लगी हुई थी। अग्निशमन अधिकारी कोतवाली के नेतृत्व में फायर सर्विस यूनिट ने तत्काल हौज पाइप लाइन फैलाकर आग पर चारों ओर से पानी की बौछार शुरू की।

दमकल कर्मियों की त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के चलते आग को फैक्ट्री के अन्य हिस्सों और आसपास की इकाइयों तक फैलने से पहले ही पूरी तरह बुझा दिया गया। इससे आसपास स्थित अन्य फैक्ट्रियों को भी सुरक्षित बचा लिया गया। घटना के समय फैक्ट्री मालिक प्रशांत अग्रवाल भी मौके पर मौजूद रहे। राहत की बात रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

नवजात बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश, सात सदस्य गिरफ्तार

इंद्रेश शर्मा

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद में नवजात और दूधमुंहे बच्चों की तस्करी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पदार्फाश किया है। टीला मोड़ थाना पुलिस ने पति-पत्नी समेत सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि दो महिलाएं अभी वांछित हैं। पुलिस ने तस्करी के लिए ले जाए जा रहे बच्चों को सकुशल बरामद कर लिया है।

पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को निशाना बनाते थे। नवजात बच्चों की जानकारी जुटाने के बाद उनकी फोटो खींचकर व्हाट्सएप के जरिए गिरोह के सदस्यों और संभावित खरीदारों तक भेजी जाती थी। इसके बाद बच्चे की कीमत तय कर अलग-अलग जनपदों में बेचने का सौदा किया जाता था। जांच में सामने आया है कि गिरोह में शामिल नौशाद के भाई ने सबसे पहले अपना बच्चा बेचने की शुरूआत की थी। इसके बाद अन्य लोग भी इस अवैध धंधे में शामिल हो गए। पुलिस के अनुसार, एक बच्चे का सौदा करीब 4 लाख रुपये में किया गया था। इसी नेटवर्क द्वारा करीब 3 माह के बच्चे को शामली में बेचने का सौदा किया जा रहा था। पुलिस ने समय रहते कार्रवाई करते हुए बच्चे को बरामद किया और उसे सकुशल उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से दो मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। अब पुलिस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों, संभावित खरीदारों और अलग-अलग जनपदों में फैले नेटवर्क की जांच कर रही है।

शिक्षा क्षेत्र में योगदान के लिए सौरभ गर्ग को मानद डॉक्टरेट, हवन-यज्ञ कर मनाई उपलब्धि

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शिक्षा के क्षेत्र में करीब तीन दशकों से उल्लेखनीय योगदान दे रहे सौरभ गर्ग को मानद डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर राजनगर स्थित आर्य समाज मंदिर में परिवार और शुभचिंतकों के साथ हवन-यज्ञ कर उपलब्धि का उत्सव मनाया गया। परिजनों ने विधि-विधान से हवन में आहुति देकर ईश्वर का आभार जताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सौरभ गर्ग ने कहा कि यह उपाधि उनके लिए केवल सम्मान नहीं, बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में और बेहतर कार्य करने की नई जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के प्रयास भविष्य में भी जारी रहेंगे।

उन्होंने बताया कि गाजियाबाद में अच्छे शिक्षकों की तलाश के दौरान गूगल या ChatGPT पर उनकी संस्था ई-होम ट्यूटर्स का नाम सामने आना उनके लिए गर्व का विषय है। इस अवसर पर आर्य समाज राजनगर के पदाधिकारी, रामलीला समिति, गुरुद्वारा प्रबंधन, रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधि, परिवारजन और अनेक शुभचिंतक मौजूद रहे।

चाइनीज मांझे पर लोनी पुलिस का शिकंजा, 167 रोल के साथ तीन गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

लोनी। प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री और तस्करी के खिलाफ लोनी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चाइनीज मांझे के 167 रोल बरामद किए हैं।

पुलिस के मुताबिक, बुधवार को सूचना मिली थी कि इंद्रा मार्केट में प्रतिबंधित चाइनीज मांझे की बिक्री की जा रही है। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मांझे की खेप बरामद करते हुए इमरान पुत्र अकबर, सुभांशु पुत्र जय भगवान और निशान्त पुत्र सोमवीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित मांझा लोगों और पक्षियों के लिए गंभीर खतरा माना जाता है। इसके बावजूद इसकी बिक्री किए जाने पर आरोपियों के खिलाफ थाना लोनी में धारा 223बी/125 बीएनएस तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 की धारा 5/15 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मांझे की आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

फर्जी जीएसटी अफसर बनकर 29 लाख की वसूली, पांच गिरफ्तार

पुलिस की वर्दी पहनकर धमकाया, नकदी से लेकर जेवर तक पूरी रकम बरामद

कपिल चौहान

नोएडा (वेलकम इंडिया)। थाना बिसरख पुलिस ने फर्जी जीएसटी अधिकारी बनकर एक जीएसटी कंसल्टेंट से 29 लाख रुपये की वसूली करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी की पूरी रकम बरामद कर ली है। इनमें 24.50 लाख रुपये नकद और 4.50 लाख रुपये से खरीदी गई सोने की चेन, चांदी का कड़ा व अंगूठी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार 20 जुलाई को आरोपियों ने एस एस्पायर सोसायटी के पास पीड़ित की कार रोककर खुद को जीएसटी अधिकारी बताया। फर्जी ई-वे बिल सत्यापन के नाम पर उसे ब्लैकमेल किया गया और जीएसटी मामले में जेल भेजने की धमकी देकर 29 लाख रुपये वसूल लिए गए। आरोपी पीड़ित को उसकी ही कार में घुमाते रहे और बाद में रकम लेकर फरार हो गए।

सर्विलांस, सीसीटीवी और लोकल इंटेलीजेंस की मदद से पुलिस ने कशिश चौहान उर्फ ईशु, राजेश पवार, विवेक शर्मा, अंकित शाही और अंशुल को जलपुरा रोड स्थित स्कॉन मंदिर के पास गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से दो कार, सात मोबाइल फोन, पुलिस सब इंस्पेक्टर की वर्दी और दिल्ली सिविल डिफेंस की वर्दी भी बरामद हुई।

जांच में सामने आया कि मुख्य आरोपी कशिश और पीड़ित पहले से परिचित थे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि घटना में शामिल कोई भी आरोपी पुलिसकर्मी नहीं है।

25वीं मंजिल से कूदा 22 वर्षीय युवक, अस्पताल पहुंचते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित किया

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कविनगर थाना क्षेत्र की लैंडक्रॉफ्ट सोसाइटी में बुधवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक 22 वर्षीय युवक ने टावर 2-ए की 25वीं मंजिल से छलांग लगा दी। घटना की सूचना सुबह करीब नौ बजे डायल-112 के माध्यम से पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही कविनगर पुलिस मौके पर पहुंची और फील्ड यूनिट को बुलाकर जांच शुरू की।

पुलिस ने गंभीर हालत में युवक को तत्काल संजयनगर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान अर्पण गोयल निवासी पंचवटी, थाना कोतवाली के रूप में हुई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि अर्पण ने सुबह करीब 8:30 बजे 25वीं मंजिल से छलांग लगाई थी।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। घटना के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

होटल की तीसरी मंजिल से गिरा युवक, मौत; CCTV फुटेज खंगाल रही पुलिस

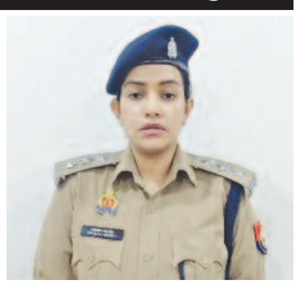

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित एक होटल में बुधवार तड़के बालकनी से गिरने के कारण 36 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना की सूचना सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की।

पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान अशोक राय पुत्र बच्चे लाल, मूल निवासी बिहार के रूप में हुई है। वह अपने जीजा ललित कामत से मिलने गाजियाबाद आया था। ललित कामत इंदर होटल में मैनेजर हैं और उन्होंने अशोक को होटल की तीसरी मंजिल स्थित स्टाफ रूम में ठहराया था। बताया गया कि अशोक को सुबह अपनी बहन को इलाज के लिए गंगाराम अस्पताल ले जाना था। सुबह करीब 4:30 बजे उठने के दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वह बालकनी से नीचे गिर गया। जीजा उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच जारी है। पुलिस का कहना है कि जांच के आधार पर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

तिरंगा यात्रा को लेकर कार्यकताओं और आमजन में उत्साह, 13 अगस्त को निकलेगी भव्य यात्रा

राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह होंगे मुख्य अतिथि, शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के वेश में शामिल होंगे विद्यार्थी

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। भारतीय जनता पार्टी की ओर से 13 अगस्त को आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा को लेकर कार्यकताओं और आमजन में खासा उत्साह है। महानगर अध्यक्ष के नेतृत्व में विभिन्न बाजारों और प्रमुख स्थानों पर किए जा रहे जनसंपर्क के दौरान व्यापारी, सामाजिक संस्थाएं और नागरिक यात्रा को लेकर उत्साहित नजर आए।

भाजपा महानगर अध्यक्ष ने बताया कि तिरंगा यात्रा में पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। यात्रा में विद्यार्थियों की भी विशेष भागीदारी रहेगी। विद्यार्थी शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के वेश में शामिल होकर देशभक्ति, राष्ट्रीय गौरव और बलिदान का संदेश देंगे।

यात्रा को लेकर अग्रसेन बाजार, चौपला मंदिर, बजरिया, दिल्ली गेट समेत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क किया गया। इस दौरान व्यापारियों ने यात्रा के स्वागत की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कई स्थानों पर पुष्पवर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया जाएगा।

भाजपा कार्यकताओं ने कहा कि यह यात्रा देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और शहीदों के सम्मान की भावना को मजबूत करने का माध्यम बनेगी। यात्रा को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हैं।

जनसुनवाई में डीएम का सख्त संदेश, भूमाफियाओं पर होगी कड़ी कार्रवाई

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉंदड़ ने बुधवार को कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय में जनसुनवाई कर आमजन की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। भूमि कब्जे, राजस्व विवाद, अवैध अतिक्रमण, पेंशन, राशन कार्ड, जलापूर्ति और सार्वजनिक सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें अधिकारियों के समक्ष रखी गईं। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को शिकायतों का निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भूमि कब्जे और अतिक्रमण की शिकायतों पर डीएम ने राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए कहा कि भूमाफियाओं को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। सरकारी और निजी भूमि पर अवैध कब्जे की शिकायतों को प्राथमिकता से निस्तारित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों के निस्तारण में औपचारिकता न बरतें, बल्कि मौके पर जाकर सत्यापन कर स्थायी समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही शिकायतकताओं को कार्रवाई की प्रगति से अवगत कराने और जनहित के मामलों में संवेदनशीलता से कार्य करने के निर्देश दिए।

आरडीसी की यातायात पुलिस आखिर कहां है?

यातायात पुलिस नदारद और आरडीसी का 'सिंघम' अकेले मैदान में

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। आरडीसी राजनगर में यातायात पुलिस की गैरमौजूदगी के बीच चौकी इंचार्ज असपाल 'सिंघम' की भूमिका में नजर आ रहे हैं। एक तरफ चौकी और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी है, तो दूसरी तरफ सड़कों पर लगने वाले जाम को खुलवाने की चुनौती। दोनों मोर्चों पर चौकी इंचार्ज खुद डटे दिखाई दे रहे हैं। आरडीसी में वाहनों का दबाव बढ़ते ही असपाल खुद सड़क पर उतरकर यातायात व्यवस्था संभालते और जाम खुलवाते नजर आते हैं। उनकी सक्रियता को देखते हुए स्थानीय लोग उन्हें आरडीसी का 'सिंघम' कहने लगे हैं।

जबकि शहर के अधिकांश प्रमुख बैंकों की शाखाएं भी आरडीसी में ही स्थित हैं, जिसके चलते रोजाना बड़ी संख्या में ग्राहकों, व्यापारियों और कर्मचारियों का आवागमन होता है। ऐसे में वाहनों का दबाव बढ़ना स्वाभाविक है, लेकिन यातायात पुलिस की पर्याप्त मौजूदगी न होना व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है।

आखिर चौकी इंचार्ज अकेले क्या-क्या संभालें–चौकी, कानून-व्यवस्था या सड़कों पर लगने वाला जाम? आरडीसी जैसे व्यस्त क्षेत्र में यदि जाम खुलवाने की जिम्मेदारी भी चौकी इंचार्ज को निभानी पड़ रही है, तो सवाल उठना लाजिमी है–आरडीसी की यातायात पुलिस आखिर कहां है?

तिरंगे के रंग में रंगेगा गाजियाबाद, हर घर लहराएगा राष्ट्रध्वज

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। हर घर तिरंगा अभियान-2026 को भव्य और जनभागीदारी वाला उत्सव बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक में अभियान की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को कार्यक्रमवार जिम्मेदारियां सौंपते हुए समयबद्ध तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। अभियान के तहत जिले में भव्य तिरंगा रैलियां निकाली जाएंगी। इनमें विद्यार्थी, युवा, सरकारी कर्मचारी, सशस्त्र बलों के सदस्य, महिला स्वयं सहायता समूह और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि तिरंगा लेकर शामिल होंगे। रैलियों की शुरूआत सामूहिक वंदे मातरम गायन से होगी।

कार्यक्रमों में शहीद सैनिकों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। तिरंगा गान, देशभक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र होंगे।

प्रशासन की ओर से प्रत्येक घर, सरकारी कार्यालय और संस्थान पर तिरंगा फहराने के लिए पर्याप्त झंडों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, बाजार, पार्क और प्रमुख चौराहों पर तिरंगा प्रदर्शनियां तथा विशेष सजावट कराई जाएगी। विद्यालयों में भी तिरंगा आधारित कलाकृतियां बनाई जाएंगी।

सोशल मीडिया के जरिए अभियान का प्रचार कर लोगों को 'सेल्फी विद तिरंगा' में भाग लेने के लिए प्रेरित किया जाएगा।